शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 138 | गुवाहाटी | मंगलवार, 17 दिसंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

विकास, राष्ट्रवाद, सुरक्षा, जन कल्याण को संविधान की प्रस्तावना के ... पेज 2
मंत्री अशोक सिंघल ने वितरित की छात्र-छात्राओं को स्कूटी और साइकिल पेज 3
उप्र विधानसभा में संभल मुद्दे पर विपक्ष के हंगामे के बाद मुख्यमंत्री ने किया पलटवार पेज 5
बारिश की लुका-छिपी के बीच भारत की खराब शुरूआत, 51 रन पर खोए चार विकेट पेज 7

तीन दिवसीय यात्रा पर सपत्नी भूटान पहुंचे सीएम शर्मा

एजेंडे में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए बातचीत

थिम्पू। एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक कदम उठाते हुए असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा 16 दिसंबर, 2024 को थिम्पू, भूटान पहुंचे, जहां वे तीन दिवसीय महत्वपूर्ण आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। अपनी पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा के साथ आए मुख्यमंत्री ने हवाई अड्डे पर गर्मजोशी से स्वागत के लिए भूटान के विदेश मंत्री ल्योनपो डीएन धुंग्येल का आभार व्यक्त किया। सीएम शर्मा ने अपने आधिकारिक एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर अपडेट साझा करते हुए कहा कि अभी थिम्पू पहुंचा हूं। एयरपोर्ट पर रिनिकी और मेरा स्वागत करने के लिए भूटान के विदेश मंत्री महामहिम ल्योनपो डीएन धुंग्येल का आभारी हूं। मैं अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दौरान इस खूबसूरत देश के साथ भारत के संबंधों को बढ़ावा देने के लिए उत्सुक हूं। 16 से 19 दिसंबर, 2024 तक होने वाली यह यात्रा भूटान की शाही सरकार के निमंत्रण पर हो रही है। यह असम के किसी मुख्यमंत्री की भूटान की पहली यात्रा है और इसे दोनों क्षेत्रों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। अपने प्रवास के दौरान, सीएम शर्मा महामहिम राजा और महामहिम -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश की जमीन पर अराकान आर्मी ने किया कब्जा

ढाका। 16 दिसंबर 1971 जिसे विजय दिवस भी कहा जाता है, भारतीय उपमहाद्वीप के इतिहास का वह दिन, जब पाकिस्तान के 93 हाजार सैनिकों ने ढाका में भारतीय सेना के सामने आत्मसमर्पण किया और बांग्लादेश स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में अस्तित्व में आया। लेकिन 54 साल बाद, यह पड़ोसी देश अपनी संप्रभुता और सुरक्षा के लिए अब तक के सबसे बड़े संकट का सामना कर रहा है। शेख हसीना के पतन के बाद बांग्लादेश-म्यांमार सीमा पर तनाव अपने चरम पर पहुंच गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, म्यांमार की उग्रवादी अराकान आर्मी (एए) ने बांग्लादेश के टेकनाफ क्षेत्र के कुछ हिस्सों पर कब्जा कर लिया है। यह इलाका न केवल सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि रोहिंग्या शरणार्थी शिविरों और बांग्लादेश के प्रसिद्ध सेंट मार्टिन आइलैंड के करीब होने के कारण भी संवेदनशील माना जाता है। हमारे सूत्र ने बताया कि सीमा पर अराकान आर्मी और बांग्लादेशी बलों के बीच कई बार गोलीबारी हुई है। स्थानीय सूत्रों का कहना है कि अराकान आर्मी ने बांग्लादेशी इलाके के कुछ हिस्सों पर नियंत्रण स्थापित कर लिया है। हालांकि, इस पर बांग्लादेश सरकार ने अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। अराकान आर्मी ने म्यांमार के रखाइन प्रांत के बड़े हिस्सों पर कब्जा कर लिया है और अब उनकी नजरें बांग्लादेश के सीमावर्ती इलाकों पर हैं। मोंगडाव जैसे क्षेत्रों में सफलता के बाद, उनकी रणनीति बेहद आक्रामक हो चुकी है। रिपोर्ट के मुताबिक, अराकान आर्मी बांग्लादेश की कमजोर सीमाओं का फायदा उठाकर सैंट मार्टिन आइलैंड जैसे रणनीतिक क्षेत्रों पर अपना दबदबा बढ़ाने की कोशिश में है। बांग्लादेश-म्यांमार सीमा का संकट रोहिंग्या शरणार्थियों के मुद्दे से भी जुड़ा हुआ है। अराकान आर्मी का आरोप है कि रोहिंग्या शरणार्थी शिविरों में कट्टरपंथी संगठन आरएसओ (रोहिंग्या सॉलिडेरिटी ऑर्गनाइजेशन) और एआरएसए (अराकान रोहिंग्या सैल्वेशन आर्मी) सक्रिय हैं, जो बांग्लादेश और म्यांमार दोनों के लिए खतरा बन रहे हैं। इन संगठनों पर आरोप है कि वे रोहिंग्या शरणार्थियों को अपने संगठन में शामिल कर उग्रवादी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं। रिपोर्ट से यह भी सामने आया है कि बांग्लादेश की सुरक्षा एजेंसियां इस स्थिति पर काबू पाने में -शेष पृष्ठ दो पर

असम : ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले पर सीबीआई की जांच तेज

गुवाहाटी। असम में ऑनलाइन घोटाले को लेकर तेजी से जांच की जा रही है। इसी क्रम में, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने असम में ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले के अलग-अलग मामलों में 18 आरोपियों के खिलाफ पांच और आरोपपत्र दायर किए हैं। गौरतलब है, असम में हाल ही में 22 हजार करोड़ के ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले का पुलिस ने भंडाफोड़ किया था। यहां लोगों से ऑनलाइन शेयर बाजार में पैसा लगाने और दो महीने -शेष पृष्ठ दो पर

गौहाटी एचसी ने डीजीपी को *हिट एंड रन* मामलों के पंजीकरण पर रोक लगाने का निर्देश दिया

गुवाहाटी। गौहाटी उच्च न्यायालय ने असम के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को निर्देश दिया है कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी पुलिस थानों को निर्देश जारी करें कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 106(2) के तहत लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण हुई मौत से संबंधित कोई भी मामला दर्ज न किया जाए। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यह प्रावधान, जो लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण गैर-इरादतन हत्या से संबंधित है, अभी तक लागू नहीं हुआ है। बीएनएस की धारा 106(2) में प्रावधान है कि यदि कोई व्यक्ति तेज गति से और लापरवाही से गाड़ी चलाकर किसी व्यक्ति की मौत का कारण बनता है, जो कि गैर इरादतन हत्या नहीं है, और बाद में घटना की सूचना पुलिस अधिकारी या मजिस्ट्रेट को नहीं देता है, तो उसे जुर्माने के साथ-साथ -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

राजनीति का संबंध केवल अपने राज्य को समृद्धि प्रदान करने वाले मामलों से होता है।
- **आचार्य चाणक्य**

मस्जिद के अंदर जय श्री राम का नारा लगाना अपराध कैसे : एससी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक मामले की सुनवाई करते हुए याचिकाकर्ता से पूछा कि *जय श्री राम* का नारा लगाना कैसे अपराध है। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार सुप्रीम कोर्ट में कर्नाटक हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती देते हुए याचिका दाखिल की गई थी, जिसमें मस्जिद के अंदर कथित तौर पर जय श्री राम का नारा लगाने के आरोप में दो लोगों के खिलाफ कार्यवाही रद्द करने का आदेश दिया गया था। शिकायतकर्ता हैदर अली सी एम द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते -शेष पृष्ठ दो पर

संभल में 48 साल बाद खुला मंदिर, कुएं से निकलीं खंडित मूर्तियां

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में 48 साल बाद एक पुराने मंदिर के पास स्थित कुएं की खुदाई के दौरान तीन खंडित मूर्तियां सामने आई हैं, जो देवी-देवताओं के रूप में पहचानी जा रही हैं। इस घटनाक्रम ने इलाके में हलचल मचा दी है। प्रशासन ने इन मूर्तियों को जल्द से जल्द जांच के लिए संबंधित विभाग को सौंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। संभल के दीपसराय क्षेत्र से सटे खग्गू सराय में स्थित एक पुराना शिव मंदिर, जो 1978 से बंद पड़ा था, हाल ही में प्रशासन द्वारा फिर से खोला गया है। मंदिर को फिर से खोलने के बाद वहां पूजा-अर्चना का दौर शुरू हो गया है। मंदिर के पास स्थित एक कुएं की खुदाई 15 से 20 फीट तक की गई, जिसमें एक -शेष पृष्ठ दो पर

एक भी पत्थरबाज नहीं बचेगा : मुख्यमंत्री

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ सोमवार को उत्तर प्रदेश विधान सभा में विपक्ष पर जमकर बरसते दिखें। इसके साथ ही उन्होंने संभल में हुए सभी दंगों का जिक्र करते हुए कहा कि संभल में 1947 से 209 हिंदुओं की हत्या हुई है। उन्होंने कहा कि संभल के पत्थरबाज कौन थे? कोई भी पत्थरबाज बचने वाला नहीं है। एक भी गिरफ्तारी बिना साक्ष्य के नहीं हुई। जुमे की नमाज के बाद भड़काउ बयान दिए गए। सीएम ने कहा कि हम कोर्ट के आदेश का सम्मान करते हैं। मूल संविधान में समाजवाद शब्द नहीं, -शेष पृष्ठ दो पर

धमकियों के बावजूद चिन्मय कृष्ण दास का केस लड़ूंगा : वकील

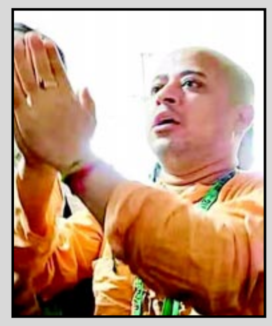

कोलकाता। बांग्लादेश के एक प्रमुख वकील रवींद्र घोष ने सोमवार को दावा किया कि जेल में बंद हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास का प्रतिनिधित्व करने का फैसला करने के बाद से उन्हें मौत की धमकियां मिल रही हैं, लेकिन उन्होंने कसम खाई कि वह न्याय और अल्पसंख्यक अधिकारों के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। बता दें कि, रवींद्र घोष फिलहाल पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। वहीं पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार दास को निशाना बना रही है, क्योंकि वह हिंदुओं पर अत्याचारों के खिलाफ मुखर रहे हैं और सताए गए अल्पसंख्यक समुदाय को एकजुट कर रहे हैं। बांग्लादेश के सर्वोच्च -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

बंगाल ट्रैवल मार्ट में पहली बार हिस्सा लेगा भूटान नहीं रहेगा बांग्लादेश

सिलीगुड़ी (हि.स.)। नेपाल पर्यटन बोर्ड के तत्वावधान में 17 दिसंबर से सिलीगुड़ी में आयोजित होने वाले 8वें बंगाल ट्रैवल मार्ट में पहली बार पड़ोसी देश भूटान भाग लेने जा रहा है। प्राप्त खबर के अनुसार इस बार के ट्रैवल मार्ट में बांग्लादेश शामिल नहीं होगा। इसका कारण -शेष पृष्ठ दो पर

ईवीएम पर बयान देकर उमर ने इंडिया ब्लॉक में ही करवा दिया दो फाड़

नई दिल्ली। कांग्रेस ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों या ईवीएम पर जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला के तंज का जवाब दिया और दावा किया कि मुख्यमंत्री बनने के बाद सहयोगी उमर अब्दुल्ला का बयान बदल गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद मनिकम टैगोर ने एक्स पर पोस्ट किया और कहा कि महाराष्ट्र चुनाव परिणामों के बाद ईवीएम के बारे में हालिया आरोप एनसीपी (शरद पवार गुट), शिवसेना (यूबीटी) और समाजवादी पार्टी द्वारा लगाए गए थे। सीएम उमर अब्दुल्ला के बयान पर कांग्रेस नेता ने कहा कि ये समाजवादी पार्टी, एनसीपी और शिव सेना यूबीटी हैं जिन्होंने ईवीएम के खिलाफ बात की है। कृपया अपने तथ्यों की जांच करें। टेगौर ने पूछा कि कांग्रेस सीडब्ल्यूसी का प्रस्ताव स्पष्ट रूप से केवल -शेष पृष्ठ दो पर

खड़गे ने राज्य सभा में सरकार को घेरा

नई दिल्ली (हि.स.)। राज्य सभा में सोमवार को संविधान के 75 वर्ष की गौरवशाली यात्रा पर चर्चा के दौरान निर्मला सीतारमण के आरोपों का जवाब देते हुए सदन में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष ने आरोप लगाया कि संविधान में संशोधन एक परिवार के लिए किए गए जबकि ये आरोप निराधार है। संविधान में पहला संशोधन अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ी जाति को अधिकार देने के संबंध में था, भूमि सुधारों को लेकर किया -शेष पृष्ठ दो पर

एक देश एक चुनाव

भाजपा ने लोस सांसदों के लिए जारी किया व्हिप

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने सभी लोकसभा सदस्यों के लिए *तीन-लाइन व्हिप* जारी किया, जिसमें उनसे भारत के संविधान पर निर्धारित बहस के दौरान 17 दिसंबर को उच्च सदन में उपस्थित रहने का आग्रह किया गया। उम्मीद है कि कल एक देश एक चुनाव बिल पेश हो सकता है। वन नेशन वन इलेक्शन बिल के पास होने पर पूरे देश में एक साथ ही लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव कराए -शेष पृष्ठ दो पर

संविधान पर चर्चा : सत्ता और विपक्ष ने एक दूसरे पर लगाए आरोप-प्रत्यारोप

नई दिल्ली (हि.स.)। राज्यसभा में सोमवार को संविधान के 75 गौरवशाली वर्ष पर सुबह साढ़े ग्यारह बजे से लगातार रात आठ बजे तक चर्चा की गई। इस दौरान भोजनावकाश भी स्थगित रखा गया। सत्ता पक्ष ने जहां कांग्रेस को आपातकाल, कश्मीर, संविधान में किए गए संशोधनों के मुद्दे पर घेरा, वहीं विपक्ष ने पलटवार करते हुए सत्तापक्ष पर तथ्यों को तोड़ मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगाया। राज्यसभा में चर्चा की शुरुआत केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने की। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाए कि कांग्रेस ने संविधान में संशोधन सिर्फ एक परिवार के लाभ के लिए किया। जनता के हित से उन्हें कोई सरोकार नहीं था। वहीं विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोपों पर पलटवार करते हुए सत्तापक्ष पर तथ्यों को तोड़ मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने अपने भाषण को अनुच्छेद 370 पर केंद्रित रखते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा। पुरी ने कश्मीरी पंडितों और सिख विरोधी दंगों का भी उल्लेख करते हुए कहा कि 370 संविधान में यह एकमात्र प्रावधान था जिसका मसौदा बाबासाहेब आंबेडकर की नजरों से नहीं गुजरा था। उन्होंने कहा कि जब संविधान सभा ने अनुच्छेद 370 (तब संख्या 306 ए) पारित किया, आंबेडकर चुप रहे। उन्होंने कहा कि यहां तक कि सरदार पटेल भी शेख अब्दुल्ला और उनके सहयोगियों को दी गई छूट से हैरान थे। उन्होंने कहा कि संविधान के इस अनुच्छेद को निरस्त करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के *अदम्य साहस और संकल्प* की आवश्यकता थी। उन्होंने कहा कि हालांकि इसके *अस्थायी होने* की बात कही गई थी लेकिन तुष्टिकरण की राजनीति ने वास्तव में इसे स्थायी बना दिया। पुरी ने शेख अब्दुल्ला को लिखे आंबेडकर के पत्र का हवाला देते हुए कहा कि कश्मीर -शेष पृष्ठ दो पर

सीरिया में जड़ें जमाने की कोशिश कर रहा आईएसआईएस, हमला कर 88 लोगों की जान ली

दमिश्क (हि.स.)। सीरिया में राष्ट्रपति बशर अल-असद शासन के पतन के बाद आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) जड़े जमाने की कोशिश कर रहा है। इस्लामिक स्टेट ने पूर्वोत्तर सीरिया में गतिविधियां तेज कर दी है। आतंकी समूह के हमले में कम से कम 88 लोग मारे गए हैं। अरबी न्यूज बेवसाइट *+963* के अनुसार, सैन्य सूत्रों ने रविवार को कहा कि मौजूदा स्थिति का फायदा उठाते हुए आईएसआईएस ने पूर्वोत्तर सीरिया के इलाकों में अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं। आतंकी संगठन ने पिछले दिनों इस क्षेत्र में कई हमले किए। इन हमलों केवल 24 घंटों में 88 लोग मारे गए और अन्य घायल हो गए। बहुत से लोग लापता हैं। साथ ही आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट अब अपने लड़ाकों को फिर -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

विकास, राष्ट्रवाद, सुरक्षा, जन कल्याण को संविधान की प्रस्तावना के अनुसार देखा जाना चाहिए : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को भारत के भविष्य के विजन को दर्शाते हुए कहा कि विकास, राष्ट्रवाद, सुरक्षा, जन कल्याण, सकारात्मक शासन योजनाओं को केवल एक ही दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए और वह हमारे संविधान की प्रस्तावना का दृष्टिकोण है। उपराष्ट्रपति ने आज दिल्ली में राष्ट्रीय रक्षा संपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीईएम) में 7वें रक्षा संपदा दिवस व्याख्यान को संबोधित करते हुए सटीक भूमि प्रबंधन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि 2047 में विकसित भारत की ओर हमारे सफर में, प्रभावी प्रयोग के साथ सटीक भूमि प्रबंधन सर्वोपरि है और इसलिए मैं आपसे अपील करूंगा कि आप अपने लैंड बैंक का आवश्यक उपयोग सुनिश्चित करें। आवश्यक उपयोग विचारोपरांत होना चाहिए। यह समग्र होना चाहिए। यह अभिनव होना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि घने शहरी क्षेत्रों में रक्षा संपदाओं के गंभीर वाणिज्यिक आयाम हैं और इसलिए जो लोग इन क्षेत्रों में भी विकास लाना चाहते हैं, उन्हें उनकी अनुमति की आवश्यकता है। पारदर्शिता और जवाबदेही पर अधिक ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। रक्षा संपदा प्रबंधन में पारदर्शिता और जवाबदेही की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए उन्होंने पारदर्शिता और जवाबदेही की सबसे बड़ी पहचान एकरूपता और शीघ्रता पर प्रकाश डाला। धनखड़ ने कहा कि जब भी विकास के ऐसे मुद्दे हों जो आपकी संपदा से परे हों और आपकी स्वीकृति की आवश्यकता हो, तो उसे संरचित किया जाना चाहिए व उसका आकलन होना चाहिए। किसी को भी इस बात पर संदेह नहीं होना चाहिए कि इस तरह की संस्था के लिए कहीं भेदभाव का कोई तत्व है, यहां तक कि अदृश्य भी। उपराष्ट्रपति ने भारतीय रक्षा संपदा सेवा के परिवर्तनकारी प्रभाव की सराहना की। उन्होंने कहा कि रणनीतिक रक्षा अवसंरचना और सतत विकास दोनों के लिए इस भूमि की आपकी निगरानी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कई देशों के पास इतने विशाल भूमि संसाधन नहीं है। उन्होंने विवादों को सुलझाने की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आपके पड़ोस में लोग रहते हैं। आपके पास ऐसे लोग भी हैं जो आपकी संपदाओं से होकर गुजरने के रास्ते के अधिकार होने का दावा करते हैं। मामले अदालतों में भी पहुंचते हैं और अब यहीं पर आपका प्राथमिक ध्यान एक संरचित तंत्र पर होना चाहिए कि बातचीत के माध्यम से हम समाधान हासिल करें। उपराष्ट्रपति ने दूरदर्शी रणनीतियों पर बल दिया और नवीन, प्राकृतिक और जैविक दृष्टिकोणों की खोज करने का सुझाव दिया।

ड्रग्स की तस्करी में शामिल तीन तस्कर गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के कसूवा पुलिस ने ड्रग्स के खिलाफ अभियान चलाकर भारी मात्रा में ड्रग्स समेत तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान कसूवा तीनाली से तीन ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान शराफत अली, सिराजुल हक और माफिजुल इस्लाम के रूप में की गई है। गिरफ्तार तीनों आरोपितों के पास से 67 प्लास्टिक के छोटे-छोटे शीशी में भर कर रखे गए ड्रग्स बरामद किए गए। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार तीनों ड्रग्स तस्करों से सघन पूछताछ कर रही है।

विद्या भारती शिशु वाटिका आचार्य प्रशिक्षण वर्ग का समापन

गुवाहाटी (हिंस)। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से सम्बद्ध शिशु शिक्षा समिति, असम के तत्वावधान में आयोजित 10 दिवसीय आवासीय शिशु वाटिका आचार्य प्रशिक्षण वर्ग का सोमवार को समापन हो गया। समारोह में विद्या भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री गोविंद चंद्र महंत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस मौके पर गोविंद चंद्र महंत ने बच्चों के समग्र विकास में शिशु वाटिका के आचार्यों की भूमिका पर मार्गदर्शन किया। महासचिव जगन्नाथ राजबंशी ने सभी प्रशिक्षुओं को आशीर्वचन देते हुए उन्हें प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त अनुभव को अपने कार्यक्षेत्र में लागू करने की सलाह दी। आचार्य प्रशिक्षण वर्ग में हर दिन सुबह अग्निहोत्र से शुरुआत होती थी और रात में अनौपचारिक सत्र के साथ समापन होता था। गुजरात शिशु विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति दिव्यांशु दबे, आनंद सूत्रधार, बर्णाली देवी तथा कई अन्य संसाधन व्यक्तियों ने विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन दिया। प्रशिक्षण वर्ग में विभिन्न विषयों के दैनिक अभ्यास के साथ-साथ खेल और स्वर अभ्यास भी कराया था। शिशु शिक्षा समिति असम के प्रचार प्रमुख मुकुटेश्वर गोस्वामी ने बताया है कि असम प्रकाशन भारती के नवस्थापित प्रशिक्षण केंद्र के पहले चरण में चार जिलों के पांच प्रभावी शिशु वाटिकाओं के कुल 20 आचार्यों ने प्रशिक्षण लिया। बैठक में असम की शिशु शिक्षा समिति के अध्यक्ष कुलेंद्र कुमार भगवती तथा महासचिव जगन्नाथ राजवंशी, विद्या भारती उत्तर असम प्रांत के संगठन मंत्री नीरव घेलानी, पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी तथा सचिव डॉ. जगदीन्द्र रॉय चौधरी, डॉ. अभिजीत पायेंग, शिशु वाटिका क्षेत्र समन्वयक आनंद सूत्रधार और प्रांत समन्वयक बर्णाली देवी उपस्थित थे।

पुलिस ने चार संदिग्ध चोरों को पकड़ा

गुवाहाटी (हिंस)। दिसपुर के एसीपी के नेतृत्व में चलाए गए नाइट पेट्रोलिंग अभियान के दौरान छह माइल इलाके से चार संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा गया। पूछताछ के दौरान पता चला कि ये सभी घरों में चोरी और डकैती करने की योजना बना रहे थे। पुलिस टीम ने चारों चोरों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। उनके पास से घरों में सेंध लगाने वाले उपकरण और कुछ चोरी का सामान बरामद किया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस मामले में आगे की जांच जारी है।

पूसीरे के माल ढुलाई संचालन का निरंतर हो रहा विस्तार

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) बेहतर ग्राहक इंटरफेस प्रदान करने के लिए जोन के अधीन और उसके बाहर माल ढुलाई प्रणाली में सुधार हेतु कई पहल कर रही है। ऐसी पहलों को कई स्टेशनों में शुरू करते हुए उन स्टेशनों को आवक एवं जावक दोनों प्रकार के माल परिवहन की हैंडलिंग के लिए सुसज्जित किए गए हैं, ताकि ग्राहकों द्वारा विभिन्न वस्तुओं के लिए सुगम और व्यवहार्य परिवहन को सुविधाजनक बनाया जा सके। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि ग्राहक इंटरफेस में सुधार और माल राजस्व बढ़ाने के लिए, पूसीरे अभिनव उपायों और विस्तारित संचालन के माध्यम से अपने माल परिवहन नेटवर्क को निरंतर मजबूत कर रही है। एक उल्लेखनीय पहल के तहत, चावल की एक खेप को नवंबर, 2024 के दौरान पश्चिम बंगाल के तूफानगंज रेलवे स्टेशन से त्रिपुरा के जिरनीया रेलवे स्टेशन तक सफलतापूर्वक पहुंचाया गया।

पुलिस ने गांजा खेती को नष्ट किया

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले के गौरीपुर इलाके में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चला कर भारी मात्रा में गांजा की खेती को नष्ट किया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि जिले के गौरीपुर के दांगिर के चर (नदी के मैदानी इलाके) में चलाए गए अभियान के दौरान भारी मात्रा में भांग की खेती को नष्ट किया गया है। हालांकि, पुलिस आने की भनक मिलते ही गांजा की खेती करने वाले लोग मौके से फरार होने में सफल रहे।

No. DDB/15th FC/2022-23/1567 *Dated : 13/12/2024*

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender affixing a non-refundable Court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight & twenty five) only with a validity period of 180 Days, which will subsequently to be converted and drawn up in the printed of F-2 form are invited from the registered Contractors of Class-II and Class-I(A,B,& C) category of Assam PWD(Roads & Building) and BTC, according to their eligibility for submitting tenders for the works under **15th Finance Commission(Tied Grant) for the year 2023-24** during 2024-25 as stated below. The tenders will be received by the undersigned up to **12.00 Noon on 07/01/2025** and will be opened on the same date & place at 3.00 P.M.

Sl. No.	Name of works	Tender Amount (Approx)	Cost of Tender Paper	Time of Completion of Work
1.	Construction of Community Toilet at Bodosa Bijab Bakhri under 15th FC (Tied Grant) for the year 2023-24 during 2024-25.	Rs. 10,47,960.00	Rs. 750/-	3(three) Months from the date of issue of F.W.O.

Detail N.I.T. may be seen in all working days during office hours in the office of the undersigned. Tender papers will be issued to the contractors or their authorized agents from 17/12/2024 to 07/01/2025 in the office of the undersigned on payment in the form of Demand Draft/Banker's Cheque from any Nationalized Bank, duly pledged in favour of the Principal Secretary, BTC Kokrajhar, payable at Kokrajhar.

IPR(BTC)/C/2024-25/1108

Sd/-Block Dev. Officer
Dhamdhama Dev. Block, Baganpara

पृष्ठ एक का शेष

तीन दिवसीय यात्रा ...

ग्यालत्सुएन से मुलाकात करेंगे, साथ ही भूटान के प्रधानमंत्री से भी मिलेंगे। यह यात्रा भूटान के राष्ट्रीय दिवस समारोह के साथ भी मेल खाती है, जिसमें सीएम शर्मा विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस यात्रा से व्यापार, संस्कृति और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में संबंधों को मजबूती मिलने की उम्मीद है। 17 दिसंबर को भूटान के राष्ट्रीय दिवस समारोह में सीएम शर्मा की मौजूदगी असम और भूटान के बीच बढ़ते राजनयिक संबंधों को उजागर करती है, यह अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है, जिसमें असम के मुख्यमंत्री को मुख्य अतिथि के रूप में शामिल किया गया है। सीएम शर्मा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में उम्मीद जताई कि यह यात्रा भूटान और असम के लोगों के बीच स्थायी मित्रता को और मजबूत करेगी। यह यात्रा विदेशों में असम की बढ़ती राजनयिक उपस्थिति और पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को मजबूत करने के उसके प्रयासों को दर्शाती है। यह आयोजन कूटनीतिक भागीदारी के बढ़ते महत्व को रेखांकित करता है तथा असम के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में एक नया अध्याय जोड़ता है।

बांग्लादेश की जमीन...

नाकाम हो रही हैं। बंगाल की खाड़ी में स्थित सैंट मार्टिन आइलैंड का महत्व हमेशा से विवादों का केंद्र रहा है। अराकान आर्मी की हालिया गतिविधियों के कारण बांग्लादेश को डर है कि वह इस क्षेत्र पर भी कब्जा कर सकती है। यह आइलैंड न केवल सामरिक रूप से महत्वपूर्ण है, बल्कि इसका नियंत्रण क्षेत्रीय समुद्री व्यापार और सुरक्षा के लिए भी अहम है। बांग्लादेश की मौजूदा सरकार पर भारत विरोधी कट्टरपंथी संगठनों को समर्थन देने के आरोप लग रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत के साथ बढ़ती दूरी का असर बांग्लादेश की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा पर भी पड़ रहा है। सूत्रों ने बताया कि भारत को पूर्वोत्तर राज्यों की सुरक्षा को लेकर बांग्लादेश की अस्थिरता से खतरा हो सकता है। 1971 के युद्ध के दौरान भारतीय सेना की ऐतिहासिक भूमिका को याद करते हुए, सेना ने विजय दिवस पर एक कड़ा संदेश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि किसी भी देश की स्वतंत्रता केवल बाहरी जीत से नहीं, बल्कि आंतरिक स्थिरता और एकता से कायम रहती है। बांग्लादेश के लिए यह वक्त गंभीर आत्ममंथन का है। उसे न केवल अराकान आर्मी के हमलों से निपटना होगा, बल्कि रोहिंग्या शिविरों में पनप रहे कट्टरपंथ को भी खत्म करना होगा। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को भी इस संकट को हल करने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। अगर हालात जल्द नहीं सुधरे, तो बांग्लादेश एक बार फिर क्षेत्रीय अस्थिरता के केंद्र में आ सकता है। आज जब विजय दिवस मनाया जा रहा है, यह सवाल उठता है कि क्या 54 साल पहले मिली आजादी और संप्रभुता को बांग्लादेश बचा पाएगा? या फिर आंतरिक राजनीतिक खींचतान और उग्रवादी हमलों के बीच यह देश एक और संकट की तरफ बढ़ रहा है?

असम : ऑनलाइन ट्रेडिंग...

में उसे दोगुना करने का वादा करके धोखाधड़ी की जा रही है। सीबीआई की गुवाहाटी इकाई ने 16 लोगों और दो कंपनियों अपपिथेट्स होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड (यूएचपीएल) और ब्रह्मपुत्र संचय एंड बिनियोग कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड (बीएसबीसीएसएल) पर आरोप लगाए हैं। जांच एजेंसी ने यूएचपीएल के खिलाफ आरोप लगाया है कि उसके निदेशक हेमेन रवा और मैनेजर शंकर साहा एक अवैध जमा योजना की साजिश में शामिल थे, जिसने झूठे वादा करके निवेशकों से धन की मांग की थी। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने कहा कि उन्होंने निवेशकों को छह प्रतिशत या उससे अधिक के मासिक रिटर्न का वादा करके लुभाने के लिए नोटरीकृत स्टांप पेपर सहित भ्रामक तरीकों का इस्तेमाल किया। उन्होंने निवेशकों को धोखा दिया और अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए जमा राशि का दुरुपयोग किया। ब्रह्मपुत्र संचय एंड बिनियोग कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के खिलाफ दायर आरोपपत्र में इसके तत्कालीन अध्यक्षों जितेन डेका और हिमांग्शु तालुकदार, शाखा प्रबंधक इंद्राणी दास तथा सचिव संजीब डेका का भी नाम है। समूह ब्रह्मपुत्र संचय और बिनियोग सहकारी समिति की एक अनियमित जमा योजना चलाता था। गृहलक्ष्मी योजना में कथित तौर पर बोनस और 15 प्रतिशत वार्षिक ब्याज जैसे बड़े रिटर्न का वादा किया गया, जबकि वास्तविकता में ऐसा कुछ भी नहीं था। सीबीआई का तीसरा आरोपपत्र चार निजी व्यक्तियों मैनाओ ब्रह्मा, दीपांकर भट्ट, ज्योतिष्मान शर्मा और सुमित बर्मन के खिलाफ दायर किया गया है, जिन्होंने कथित तौर पर साजिश रची और आम जनता को धोखा देने के इरादे से अनियमित जमा योजना चला रहे थे। उन्होंने कथित तौर पर जमा राशि का निजी इस्तेमाल और भूमि संपत्ति खरीदने, इमारतों के निर्माण और वाहन खरीदने आदि में इस्तेमाल किया। सीबीआई ने ऋषिराज गोगोई और जॉय मोदक के खिलाफ चौथा आरोपपत्र दायर किया, जो कथित तौर पर विभिन्न सौंदर्य प्रसाधन और अन्य उत्पादों को बेचने के लिए बनाई गई अपनी कंपनी गो मिलियंस एलएलपी की आड़ में स्टॉक ट्रेडिंग व्यवसाय चलाने में शामिल थे। इन लोगों ने यूपीआई और बैंक खाते के माध्यम से लोगों से रुपये लिए और किसी भी विनियमित जमा योजना में राशि जमा नहीं की। सभी आरोपी न्यायिक हिरासत में हैं। सीबीआई ने शंकर कुमार विश्वास, रोफिकुल इस्लाम, दिनेश चौधरी और निरंजन कुमार मालाकार के खिलाफ भी आरोप पत्र दायर किया, जिन्होंने टाइटन कैपिटल मार्केट के नाम पर निवेश के लिए विभिन्न व्यक्तियों से यूपीआई, नकद और चेक के माध्यम से धन एकत्र किया। आरोपियों ने विभिन्न जमाकर्ताओं से प्राप्त राशि को किसी भी विनियमित जमा योजना में निवेश नहीं किया। एजेंसी ने कहा कि उन्होंने निवेश के लिए जमाकर्ताओं से धन एकत्र करके उन्हें धोखा दिया।

गौहाटी एचसी ने ...

दस साल तक की कैद हो सकती है। हालांकि, अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि यह प्रावधान अभी तक लागू नहीं हुआ है। यह टिप्पणी धारा 106 की उपधारा (2) की वैधता को चुनौती देने वाली एक जनहित याचिका (पीआईएल) की सुनवाई के दौरान आई, जिसके बारे में याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि किसी व्यक्ति को खुद के खिलाफ गवाह बनने के लिए मजबूर करके संविधान का उल्लंघन किया गया है। अदालत ने कहा कि चूंकि प्रावधान लागू नहीं किया गया है, इसलिए चुनौती समय से पहले है। ऐसे में, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 20(3) के तहत इसे असंवैधानिक घोषित करने का सवाल इस स्तर पर नहीं उठता। अदालत ने आगे स्पष्ट किया कि यदि पुलिस इस प्रावधान के तहत मामला दर्ज करती है, तो व्यक्ति सक्षम अदालत में जाकर कानूनी उपाय अपना सकता है।

मस्जिद के अंदर ...

हुए जस्टिस पंकज मिथल और संदीप मेहता की पीठ ने पूछा कि वे एक खास धार्मिक नारा या नाम चिल्ला रहे थे। यह कैसे अपराध है? शीर्ष अदालत ने शिकायतकर्ता से यह भी पूछा कि कथित तौर पर मस्जिद के अंदर नारा लगाने वाले लोगों की पहचान कैसे की गई। याचिका में 13 सितंबर के कर्नाटक हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसने मामले में दो लोगों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही रद्द कर दी थी। कोर्ट ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत से पूछा कि आप इन प्रतिवादियों की पहचान कैसे करते हैं? आप कहते हैं कि वे सभी सीसीटीवी कैमरे में कैप्चर किए गए हैं। कोर्ट में आगे पूछा कि अंदर आए लोगों की पहचान किसने की? वकील ने कहा कि मामले में जांच अधूरी होने के बावजूद हाई कोर्ट ने कार्यवाही रद्द कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उच्च न्यायालय ने पाया कि आरोप आईपीसी की धारा 503 या धारा 447 के तत्वों को नहीं छूते। जबकि आईपीसी की धारा 503 आपराधिक धमकी से संबंधित है, धारा 447 आपराधिक अतिचार के लिए दंड से संबंधित है। जब पीठ ने पूछा कि क्या आप मस्जिद में प्रवेश करने वाले वास्तविक व्यक्तियों की पहचान कर पाए हैं? कामत ने कहा कि राज्य पुलिस को इसका स्पष्टीकरण देना होगा।

संभल में 48 साल ...

के बाद एक तीन खंडित मूर्तियां निकलीं। ये मूर्तियां माता-पार्वती, गणेश जी और लक्ष्मी जी की प्रतीत हो रही हैं। मूर्तियों की लंबाई करीब 7 से 8 इंच के आस-पास है और उनका रूप भी काफी पुराना व क्षतिग्रस्त अवस्था में पाया गया है। खुदाई के दौरान कुएं में से निकली मूर्तियों की पहचान कर प्रशासन ने इनकी जांच की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। मौके पर पहुंचे एडिशनल एसपी श्रीशचंद्र और सीओ अनुज चौधरी ने मूर्तियों का निरीक्षण किया और कहा कि इनका फौरन परीक्षण किया जाएगा। मूर्तियों की जांच के बाद ही उनकी ऐतिहासिकता और महत्व के बारे में और जानकारी मिल पाएगी। इस मौके पर पुलिस प्रशासन भी सतर्क है और घटनास्थल पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। संभल के इस पुराने मंदिर का इतिहास भी काफी दिलचस्प है। यह मंदिर 1978 से बंद पड़ा था जब इस इलाके में सांप्रदायिक दंगे हुए थे और हिंदू समुदाय को इस क्षेत्र से पलायन करना पड़ा था। दंगों के कारण मंदिर और आसपास के इलाकों में भय का माहौल था, जिसके कारण यह मंदिर बंद कर दिया गया था। लगभग चार दशकों के बाद अब इस मंदिर को फिर से खोलने का निर्णय लिया गया। इस प्रक्रिया को लेकर अब मंदिर के आसपास बड़ी संख्या में श्रद्धालु और लोग आकर पूजा-अर्चना करने लगे हैं। कुएं की खुदाई से मिलीं मूर्तियां हिंदू धर्म के प्रमुख देवी-देवताओं की प्रतीत हो रही हैं। स्थानीय लोगों और मंदिर से जुड़े लोगों का मानना है कि इन मूर्तियों का बहुत बड़ा धार्मिक महत्व है। अब प्रशासन ने इन मूर्तियों को जांच के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। साथ ही, मंदिर के आसपास की जमीन को भी संरक्षित किया जा रहा है। प्रशासन ने मंदिर के सुरक्षा के लिए कड़ी व्यवस्था की है और सीसीटीवी कैमरे भी स्थापित किए गए हैं। मंदिर के अंदर शिवलिंग, हनुमान जी की मूर्ति और नंदी की प्रतिमा रखी हुई हैं, जिनका ऐतिहासिक महत्व अभी पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हो पाया है। इस बीच, जिला प्रशासन ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को पत्र लिखकर मंदिर और मूर्तियों की कार्बन डेटिंग कराने का निर्णय लिया है, ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि यह मंदिर और इसकी मूर्तियां कितनी पुरानी हैं। यह जांच मंदिर के वास्तविक इतिहास को उजागर करने में मददगार साबित हो सकती है। स्थानीय निवासी और नगर हिंदू महासभा के संरक्षक विष्णु शंकर रस्तोगी (82) ने बताया कि वह जन्म से खग्गू सराय में ही रहते आए हैं और उन्होंने 1978 के दंगों को करीब से देखा था। उनका कहना है कि उस वक्त हिंदू समुदाय को मजबूरन इलाके से पलायन करना पड़ा था, जिसके बाद यह मंदिर बंद कर दिया गया था। वहीं, मंदिर के पुन: खुलने से स्थानीय लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई है और वे अब फिर से यहां पूजा-अर्चना कर रहे हैं। मंदिर के पुन: खुलने और कुएं से निकली मूर्तियों ने एक नई धार्मिक और ऐतिहासिक खोज को जन्म दिया है। अब प्रशासन ने इस क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और भी मजबूत किया है और पुराने अतिक्रमणों को हटाने की प्रक्रिया भी चल रही है। मंदिर और उसकी मूर्तियों के बारे में आगे और ज्यादा जानकारी मिलने की उम्मीद है।

एक भी पत्थरबाज ...

मूल संविधान में धर्मनिरपेक्ष शब्द नहीं, खटाखट वाले इस बार सफाचट हो गए, अगली बार करहल, सीसामऊ में सफाचट होंगे। कुंदरकी के लोगों को उनकी जड़ें याद आ गईं। सीएम ने कहा कि सरकार आश्वस्त करती है कि कोई दोषी नही बचेगा, जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम होगा,दोनो घटनाओ में विजुअल वीडियो देख सकते हैं घरों पर पत्थर इकट्ठे करके रखे गए है। आप ऐसे कैसे कह सकते हैं कि मुस्लिम इलाकों से हिन्दू जुलूस नही निकल सकता, सड़क किसी की नही है,जय श्रीराम का नारा उत्तेजक नही है, अगर मैं कहूं की अल्ला हूं अकबर मत लगाओ तो मानेंगे...कल कोई हिन्दू कहे कि अल्ला हू अकबर के नारे नहीं लगाओ तो कैसा लगेगा।

ईवीएम पर बयान ...

भारतीय निर्वाचन आयोग को संबोधित करता है। सीएम होने के बाद हमारे सहयोगियों का ये दृष्टिकोण क्यों? नेशनल कांफ्रेंस नेता द्वारा ईवीएम में हेरफेर के आरोपों को खारिज करने के बाद असहमति उभरी। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एक इंटरव्यू में कहा था कि जब आपके पास संसद के सौ से अधिक सदस्य एक ही ईवीएम का उपयोग करते हैं और आप इसे अपनी पार्टी की जीत के रूप में मनाते हैं, तो आप कुछ महीनों बाद यह नहीं कह सकते कि हमें ये पसंद नहीं हैं। क्योंकि अब चुनाव नतीजे उस तरह नहीं जा रहे हैं जैसा हम चाहते हैं। वहीं ममता के भतीजे और टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने भी बयान देते हुए कहा कि यह मेरी निजी राय है कि जो लोग ईवीएम पर सवाल उठा रहे हैं, उन्हें चुनाव आयोग को इसकी विसंगतियों का डेमो दिखाना चाहिए। उन्हें (सबूत के तौर पर) कोई भी वीडियो चुनाव आयोग को दिखाना चाहिए। चुनाव आयोग ने सभी को बुलाया भी है।

खड़गे ने राज्य ...

गया था। तब अंतरिम सरकार बनाई गई थी, जिसमें श्यामा प्रसाद मुखर्जी भी शामिल थे। सरदार पटेल ने ही बताया था कि संविधान संशोधन में ही समस्या का हल है। लेकिन सदन और देश के समक्ष सत्य को तोड़ मरोड़ कर पेश किया जा रहा है। खड़गे ने विपक्ष की तरफ से चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि आज 16 दिसंबर है। आज ही के दिन साहसी नेता इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान के दो टुकड़े कर बांग्लादेश को आजाद कराया। अब वहां की हालत देखिए, भाजपा को अपनी आंखें खोलनी चाहिए और वहां के अल्पसंख्यकों की मदद करनी चाहिए। खड़गे ने कहा कि अमेरिका, यूके, फ्रांस डेमोक्रेसी की बहुत बातें करते थे लेकिन महिलाओं को मतदान का अधिकार नहीं था। भारत ही एक ऐसा देश है, जहां संविधान लागू होने के दिन से ही सबको सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार यानि 18 साल से लोगों को मताधिकार मिला। यह नेहरू, आंबेडकर या संविधान सभा की देन है। संघ के मुखपत्र ऑर्गेनाइजर ने 51-52 चुनावों के दौरान व्यस्क मताधिकार के खिलाफ लिखा था।

भाजपा ने लोस ...

जाएंगे। बहरहाल अभी उस बिल को कार्यसूची में शामिल नहीं किया गया है। इससे पहले भाजपा ने 13 दिबंसबर को संविधान अंगीकरण वर्षगांठ पर चर्चा के लिए 16-17 दिसंबर को राज्यसभा में उपस्थित रहने के लिए सांसदों को 3-लाइन व्हिप जारी किया था। बहस के बारे में बोलते हुए, भाजपा आरएस सांसद दिनेश शर्मा ने कहा भारतीय संविधान बहुत मजबूत और मजबूत है। अगर इसका अक्षरशः पालन किया गया होता, तो आज मौजूद सांप्रदायिकता, अलगाववाद, जातिवाद की भावनाएं नहीं पनपतीं... कांग्रेस संविधान में इतने सारे बदलाव किए। संविधान हर किसी को प्रेरित करता है। संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ पर शुक्रवार और शनिवार को लोकसभा में विशेष चर्चा हो रही है और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बहस की शुरुआत करेंगे। हम भारत के लोगों ने 26 नवंबर 1949 को संविधान को अपनाया। संविधान को अपनाने के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर मैं इस सदन और देश के सभी नागरिकों को हार्दिक बधाई देता हूं। रक्षा मंत्री ने बहस की शुरुआत करते हुए कहा कि मैं कह सकता हूं कि हमारा संविधान सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक जीवन के सभी पहलुओं को छूकर राष्ट्र निर्माण का मार्ग प्रशस्त करता है।

धमकियों के बावजूद...

न्यायालय के वकील ने बताया, मुझे पता है कि मेरे खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए जा सकते हैं, लेकिन इससे मैं नहीं रुकूंगा। मैंने जीवन भर अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। मैंने मुसलमानों के लिए भी मुकदमे लड़े हैं और उन्हें न्याय दिलाने में मदद की है। एक दिन मौत आएगी, लेकिन मैं लड़ाई जारी रखूंगा। रवींद्र घोष ने 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में हिंदू अल्पसंख्यकों द्वारा निभाई गई भूमिका पर प्रकाश डालते हुए दुख जताया कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ चल रहे अत्याचार युद्ध के *मूल सिद्धांतों* को पराजित करते हैं, जो पश्चिमी पाकिस्तान और पूर्वी पाकिस्तान, अब बांग्लादेश के नागरिकों के साथ असमान व्यवहार को समाप्त करने के लिए लड़ा गया था। कोलकाता के पास बैरकपुर से बोलते हुए, जहां वे इलाज के लिए आए हैं, रवींद्र घोष ने कहा कि जिस दिन से मैंने घोषणा की है कि मैं चिन्मय कृष्ण दास के लिए लड़ूंगा, मुझे जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। मुझे नियमित रूप से धमकी भरे कॉल और संदेश मिलते हैं, लेकिन यह मुझे अपना कर्तव्य निभाने से नहीं रोकेगा। मैं चिन्मय कृष्ण दास और अन्य हिंदुओं के साथ हुए अन्याय के खिलाफ लड़ना जारी रखूंगा। बांग्लादेश सम्मिलिता सनातनी जागरण जोत के प्रवक्ता चिन्मय कृष्ण दास को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था, जब वे एक रैली के लिए चटगांव जा रहे थे। जमानत से इनकार किए जाने पर, उनको बांग्लादेशी अदालत ने 2 जनवरी तक जेल भेज दिया है।

संविधान पर चर्चा : सत्ता...

को विशेष दर्जा देकर आप कश्मीर को भारत की मुख्यधारा से अलग कर रहे हैं। नतीजतन, जम्मू-कश्मीर में औद्योगिक विकास या रोजगार के अवसर नहीं होंगे। मैं आपके प्रयासों का हिस्सा नहीं बनूंगा। कांग्रेस ने कश्मीर के संबंध में संविधान के प्रति अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 को भारत के संवैधानिक निकाय की राजनीति में एक विसंगति थी। यह भारत के मूल विचार के खिलाफ थी। इसके बाद कपिल सिब्बल ने चुनाव आयोग के कामकाज पर कोई श्वेत पत्र की मांग की। चर्चा में भाग लेते हुए सिब्बल ने कहा कि कोई भी लोकतंत्र संस्थाओं के बिना नहीं चल सकता और हमारे पास कौन सी संस्थाएं हैं? हमारे पास सिर्फ कुछ संस्थाएं हैं। आपके पास संसद की संस्था है। आपके पास राज्यपाल की संस्था है, जो राज्य और केंद्र के बीच की कड़ी है। आप जानते हैं कि इस देश में राज्यपाल क्या करते हैं, वे सत्ता में बैठी सरकार के ज्यादा राजनीतिक विरोधी बन जाते हैं। आपके पास चुनाव आयोग की संस्था है। मैं चाहता हूं कि चुनाव आयोग के कामकाज पर कोई श्वेत पत्र हो। आप घोषित चुनाव तिथियों को स्थगित कर देते हैं और फिर मुफ्त चीजें देते हैं। संविधान के 75 साल पूरे होने पर चर्चा के दौरान प्रफुल्ल पटेल ने 1975 में आपातकाल लगाने के लिए कांग्रेस पर निशाना साधा।

सीरिया में जड़ें जमाने ...

सक्रिय कर रहा है। वह अराजकता और विभिन्न दलों के बीच चल रहे संघर्षों का फायदा उठाने की रणनीति पर काम कर रहा है। आईएसआईएस ने अपने कुछ महत्वपूर्ण सामरिक ठिकानों का पुनर्निर्माण किया है। +963 की खबर के अनुसार सीरिया के भविष्य को लेकर जॉर्डन के अकाबा में अरब मंत्रिस्तरीय शिखर सम्मेलन में इस विषय (कुछ आतंकी समूहों की बढ़ती गतिविधियों) पर चर्चा की गई। आधिकारिक बयानों में सीरिया की एकता को बरकरार रखने वाले एक आधुनिक लोकतांत्रिक राज्य के निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया गया। बैठक में अमीरात, बहरीन और कतर के मंत्रियों और अरब राज्यों के लीग के महासचिव के अलावा जॉर्डन, सऊदी अरब, इराक, लेबनान और मिस्र के विदेशमंत्रियों ने हिस्सा लिया। इस बीच विद्रोहियों के नेता और सीरिया में संयुक्त संचालन कमान के कमांडर अहमद अल-शरा उर्फ अबू मोहम्मद अल-जुलानी ने कहा कि कुर्द मातृभूमि का एक अनिवार्य हिस्सा हैं। उन्होंने एक पत्रकार के सवाल के जवाब में एक वीडियो क्लिप में कहा कि बशर अल-असद के शासन को उखाड़ फेंकने के बाद सभी सीरियाई लोग कानून के दायरे में रहेंगे। विस्थापितों को वापस लाया जाएगा। अब कुर्दों के लिए सीरिया के निर्माण में भागीदार बनने का समय आ गया है।

बंगाल ट्रैवल मार्ट ...

वहां के अस्थिर हालात और भारत विरोधी भावना को माना जा रहा है। इसके अलावा त्रिपुरा, सिक्किम, गुजरात, मध्य प्रदेश जैसे राज्य भी पर्यटन मेले में भाग लेंगे। भूटान टूरिज्म-होटल एंड रेस्तरां एसोसिएशन ऑफ भूटान, नेपाल एसोसिएशन ऑफ टूर एंड ट्रैवल एजेंट्स, पर्यटन मंत्रालय, एसोसिएशन ऑफ डोमेस्टिक टूर ऑपरेटर्स ऑफ इंडिया जैसे संगठन भी भाग लेंगे। ईस्टर्न हिमालयन ट्रैवल एंड टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन और नेपाल टूरिज्म बोर्ड के अधिकारियों ने सोमवार को सिलीगुड़ी में एक संवाददाता सम्मेलन में बंगाल ट्रैवल मार्ट के बारे में जानकारी दी। आठवां बंगाल ट्रैवल मार्ट 17-19 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा जहां 100 से अधिक घरेलू और विदेशी पर्यटन संगठन और 120 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय होटल कंपनियां भाग लेंगी। प्रेस कांफ्रेंस में नेपाल पर्यटन बोर्ड के वरिष्ठ प्रबंधक सूर्य थपलिया, देबाशीष मैत्रा, सुरेश ठाकुरी, संदीपन घोष और अन्य उपस्थित थे। सूर्य थपलिया ने कहा कि बंगाल ट्रैवल मार्ट के कारण नेपाल में पर्यटन में काफी वृद्धि हुई है। इस साल के पर्यटन मेले में पूर्वी नेपाल के पर्यटन केंद्रों पर प्रकाश डाला जाएगा। देबाशीष मैत्रा ने कहा कि इस बार भूटान हमारे साथ इस पर्यटन मेले में भाग ले रहा है। पर्यटन मंत्रालय और राज्य पर्यटन विभाग इस मेले का हर तरह से समर्थन कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य दार्जिलिंग, कलिम्पोंग और डुआर्स के होमस्टे को इससे जोड़ना है। बंगाल ट्रैवल मार्ट के माध्यम से नेपाल और भूटान के होमस्टे में नेपाल, भूटान, सिक्किम, दार्जिलिंग और कलिम्पोंग शामिल हैं।

डॉ. शर्मा फिर चुने गए असम बैडमिंटन एसोसिएशन के अध्यक्ष

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री और भारतीय बैडमिंटन एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को सर्वसम्मति से एक बार फिर असम बैडमिंटन एसोसिएशन का अध्यक्ष चुना गया। रविवार को गुवाहाटी में आयोजित एसोसिएशन की वार्षिक आम बैठक में नई कार्यकारी समिति का गठन किया गया। इसके तहत, उमर रशीद को दोबारा सचिव नियुक्त किया गया। जबकि, गौतम महंत को एक बार फिर कोषाध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया गया। तुलिराम रोंगहांग को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। वहीं, वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी पार्थ सारथी महंत को वरिष्ठ उपाध्यक्ष और पूर्व खिलाड़ी मलिका बरुवा शर्मा को सलाहकार की भूमिका दी गई। समिति के 10 नए उपाध्यक्ष चुने गए, जिनमें तरंग गोगोई, प्रदीप कुमार हजारिका, एल. हेमंत सिंह, बदन चंद्र बोरा, बिनीत गोगोई, रितुबरन शर्मा, इफ्तिखार अली, पुरंजय शर्मा, प्रनबज्योति गोगोई और अमिताभ दे शामिल हैं। इसके अलावा, दिगंत बुढ़ागोहाई, नवरोजी मुनवर, नवज्योति बरा, रितुराज चेतिया और हेमंत कुमार दास को संयुक्त सचिव बनाया गया।

मंत्री अशोक सिंघल ने वितरित की छात्र-छात्राओं को स्कूटी और साइकिल

ग्वालपाड़ा जिले में *विकास के 12 दिन* कार्यक्रम का शुभारंभ

गुवाहाटी (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिले में *विकास के 12 दिन* शीर्षक कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए असम सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा सिंचाई मंत्री और जिले के संरक्षक मंत्री अशोक सिंघल ने सोमवार को 999 मेधावी छात्रों को स्कूटी, 2100 नौवीं कक्षा के छात्रों को साइकिल और 501 छात्र-छात्राओं को आनंदराम बरुवा पुरस्कार के तहत नकद पुरस्कार वितरित किया। जिला उद्योग और वाणिज्य केंद्र के मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में मंत्री ने प्रतीकात्मक रूप से स्कूटी, साइकिल और पुरस्कार चेक वितरित किए। इसके साथ ही उन्होंने ग्वालपाड़ा जिले के 25 नए आदर्श आंगनबाड़ी केंद्रों का भी उद्घाटन किया। मंत्री सिंघल ने अपने संबोधन में कहा कि असम सरकार मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की दूरदर्शी पहल के तहत शिक्षा, उद्योग और राजस्व विभाग की योजनाओं को लोगों तक पहुंचा रही है। इस अभियान के तहत राज्य के 11 लाख से अधिक परिवार लाभान्वित हुए हैं। इस वर्ष 26,696 छात्रों को आनंदराम बरुवा पुरस्कार के तहत 12,500 रुपए बैंक खातों में सीधे ट्रांसफर किए गए। इसके अलावा, बाणीकांत काकती मेधा योजना के तहत 48,673

छात्रों को स्कूटी दी गई। ग्वालपाड़ा जिले में 999 छात्रों को स्कूटी प्रदान की गई, जबकि 2100 नौवीं कक्षा के छात्रों को साइकिलें दी गई। मंत्री ने कहा कि ये पुरस्कार असम के दो महान विभूतियों, बाणीकांत काकती और आनंदराम बरुवा के नाम समर्पित हैं। छात्रों से आग्रह किया गया कि वे इन आदर्श व्यक्तित्वों से प्रेरणा लें और जीवन में सफलता की ऊंचाइयों को छुएं। उन्होंने जोर दिया कि आज की सरकार ने गरीब छात्रों को भी सपने देखने और उन्हें साकार करने का अवसर दिया है। पहले नौकरी बाजार में बिकती थी, लेकिन अब पारदर्शिता और योग्यता के आधार पर युवाओं को रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। कार्यक्रम में मंत्री ने तकनीकी क्रांति के इस युग में छात्रों को प्रौद्योगिकी से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर राभा हजोंग स्वायत्त परिषद के प्रमुख टोंकेश्वर राभा, जिला आयुक्त खनींद्र चौधरी, स्थानीय नेता, शिक्षक, अभिभावक और कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

असमी सरस मेला – 2024 में 19.69 करोड़ के उत्पादों की रिकॉर्ड बिक्री

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के खानापाड़ा स्थित पशु चिकित्सा महाविद्यालय मैदान में आयोजित *असमी सरस मेला – 2024* का समापन सफलता के साथ हुआ। इस मेले ने इस वर्ष 19.69 करोड़ रुपए की बिक्री कर एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया। पिछले वर्ष इस मेले में बिक्री का आंकड़ा 8.74 करोड़ रुपए था, जिसके मुकाबले इस बार बिक्री में 100 फीसदी से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री रंजीत कुमार दास ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए असम राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के राज्य मिशन निदेशक निवेदन पटवारी सहित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और मेले में भाग लेने वाले स्व-सहायता समूहों को धन्यवाद् दिया। लखीमपुर के *पूर्णिमा महिला स्व-सहायता समूह* का शानदार प्रदर्शन रहा। मेले में लखीमपुर जिले के पूर्णिमा महिला स्व-सहायता समूह ने एकल रूप से 1.04 करोड़ रुपए के मूगा और जूट के वस्त्रों की बिक्री कर एक

अद्वितीय उपलब्धि हासिल की। मंत्री दास ने इस स्व-सहायता समूह की सदस्याओं को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं। यह मेला न केवल असम की ग्रामीण आजीविका को प्रोत्साहित करने का मंच बना, बल्कि राज्य के स्व-सहायता समूहों की कड़ी मेहनत और उद्यमिता का उदाहरण भी प्रस्तुत किया।

विजय दिवस : 1971 के युद्ध की 53वीं वर्षगांठ पर शौर्य और बलिदान का स्मरण

गुवाहाटी (हिंस)। आज, 16 दिसंबर के मौके पर हम विजय दिवस की 53वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। यह ऐतिहासिक दिन 1971 में पाकिस्तान के कब्जे से बांग्लादेश की मुक्ति और स्वतंत्रता का प्रतीक है। यह अवसर भारतीय सशस्त्र बलों और बांग्लादेशी जनता के साहस और अदम्य इच्छाशक्ति को सलाम करता है, जिन्होंने स्वतंत्रता के लिए कंधे से कंधा मिलाकर संघर्ष किया। 1971 का बांग्लादेश मुक्ति संग्राम आधुनिक इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय है, जिसने बांग्लादेश को एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में स्थापित किया। यह युद्ध 16 दिसंबर, 1971 को 93,000 से अधिक पाकिस्तानी सैनिकों के आत्मसमर्पण के साथ समाप्त हुआ, जो आधुनिक युद्धों में एक अभूतपूर्व घटना है। आज के दिन, हम उन वीर योद्धाओं के बलिदान को नमन करते हैं, जिन्होंने राष्ट्र के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए।

गोहपुर में खेल महारण 2.0 का शुभारंभ

विश्वनाथ (विभास)। गोहपुर विधानसभा क्षेत्र आज खेल महारण 2.0 आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया गया। टूर्नामेंट का उद्घाटन बिश्वनाथ जिले के माननीय जिला आयुक्त मुनींद्र नाथ नांटे ने किया, जिला आयुक्त, गोहपुर समजिला आयुक्त लुकुमणि बोरा और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने ओलंपिक लो (मशाल) जलाई और गोहपुर विधानसभा क्षेत्र के खेलों का उद्घाटन किया। पंचायतों के प्रतिभागी ने अपनी-अपनी गांव पंचायत टीमों के माध्यम से मार्च पास्ट में भाग लिया और उपस्थित अतिथियों द्वारा उनका स्वागत किया गया। गहपुर हाईस्कूल के खेल मैदान में प्रात: 10, बजे शुरू हुआ खेल महारण में मुख्य अतिथि और जिला आयुक्त मुनींद्र नाथ नांटे ने विस्तारपूर्वक भाषण दिया और

प्रत्येक खिलाड़ी को बधाई दी। गहपुर विधानसभा क्षेत्र के 34 गाँव पंचायत और एक नगरपालिका के असंख्य निर्वाचित खिलाड़ियों के भाग लिए उद्घाटन समारोह में सहायक आयुक्त माधुर्य पराशर और चयनिका हजारिका, सहायक निदेशक, भारतीय खेल प्राधिकरण, ईटानगर में स्थित राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के सहायक निदेशक मुख्य परिचालन अधिकारी सत्रजीत कछारी, गहपुर नगर पालिका के मेयर अतुल बोरा, जिला खेल अधिकारी और खेल महारण के सदस्य सचिव श्री अंकुर ज्योति पाठक और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

एसएसबी ने लगाया पशु चिकित्सा शिविर

कोकराझाड़ (विभास)। छठी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, रानीगुली, कोकराझाड़ के डॉ. ई. चौबा सिंह, पशु चिकित्सा अधिकारी के नेतृत्व में सीमा चौकी शशिपुर के अंतर्गत भारत-भूटान सीमावर्ती कार्यक्षेत्र में जन कल्याण योजना के तहत पशु चिकित्सा शिविर का अयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शोभापुर गांव में आयोजित किया गया, जिसमें सीमा चौकी शशिपुर के अंतर्गत आने वाले गांवों के पशुधन को चिकित्सा उपचार एवं दवाइयां वितरण की गई। इस नि:शुल्क पशु चिकित्सा शिविर में कुल *39* मवेशियों की जांच/उपचार तथा दवाईयां वितरण कराई गई। इस कार्यक्रम में सीमावर्ती क्षेत्रों के ग्रामीणों ने सशस्त्र सीमा बल, के द्वारा आयोजित की गई पशु चिकित्सा शिविर के लिए सराहना की।

अगरतला के अल्बर्ट एक्का वॉर मेमोरियल में मना 53वां विजय दिवस

अगरतला (हिंस)। 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में भारत की ऐतिहासिक जीत को चिह्नित करते हुए भारतीय सेना ने अगरतला के प्रतिष्ठित अल्बर्ट एक्का वॉर मेमोरियल में 53वें विजय दिवस का भव्य आयोजन किया। इस अवसर पर देश ने उन वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। त्रिपुरा का इस युद्ध में विशेष योगदान रहा है, जिसने भारतीय सेना की सफलता में अहम भूमिका निभाई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एक भावपूर्ण पुष्पांजलि समारोह था, जिसका नेतृत्व त्रिपुरा के राज्यपाल इंद्र सेना रेड्डी नल्लू ने किया। उनके साथ रेड शील्ड डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी), मेजर जनरल समीर शरण कार्तिकेय, और भारतीय सेना के वरिष्ठ

अधिकारी उपस्थित थे। उद्योग और वाणिज्य मंत्री संताना चकमा ने भी समारोह में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने वाला एक अनूठा और चुनौतीपूर्ण साइकिल अभियान था, जिसे 2 दिसंबर को डिमापुर से लेफ्टिनेंट जनरल अभिजीत एस. पेंढारकर, एवीएसएम, वाईएसएम, जीओसी स्पीयर कॉर्प्स ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। यह अभियान 500 किमी से अधिक की दूरी तय करते हुए तीन राज्यों से होकर अगरतला पहुंचा। इस दौरान साइकिल सवारों ने स्थानीय समुदायों से जुड़कर युद्ध वीरों और वीर नारियों को सम्मानित किया। साथ ही जरूरतमंदों को व्हीलचेयर और वॉकर जैसे चिकित्सा उपकरण प्रदान किए। शाम के समारोह में पर्यटन और परिवहन मंत्री सुशांत चौधरी, राज्य सरकार के अधिकारी और भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। सांस्कृतिक कार्यक्रम में देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंत्री ने 1971 के युद्ध में भाग लेने वाले त्रिपुरा के वीरों का सम्मान किया और विजय दिवस के हिस्से के रूप में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कार वितरित किए। अपने संबोधन में उन्होंने शहीदों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और 1971 के युद्ध में भारतीय सेना की निर्णायक भूमिका को रेखांकित किया। कार्यक्रम का समापन एक विशेष *बड़ाखाना* के साथ हुआ, जिसमें भूतपूर्व सैनिकों (ईएसएम) और अगरतला के सैनिकों ने भाग लिया। इस आयोजन ने न केवल हमारे नायकों का सम्मान किया, बल्कि उनकी विरासत को संजोने और आगे बढ़ाने के लिए नई प्रेरणा दी।

अहम ब्रह्मास्मि आध्यात्मिक कार्यक्रम का शानदार आयोजन

गुवहाटी (विभास)। प्रागज्योतिष आईटीए सेंटर माछखोआ में हरी ओम स्माइली के साथ मिलकर मारवाड़ी युवा मंच कामाख्या शाखा, गुवाहाटी अमृत, गुवाहाटी प्रगति ने अहम ब्रह्मास्मि नामक आध्यात्मिक कार्यक्रम का शानदार आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन मुख्य अतिथि के रूप में केसी दास कॉमर्स कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. ऋषिकेश बरुवा, उपमेयर स्मिता राय, प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा, प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान सहित मायुमं के अतिथि शाखाओं के पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित किया गया। इस कार्यक्रम मुख्य वक्ता के रूप में मोनिका सिंघल का असमिया परंपरा अनुसार फुलम गमछा और जापी से सम्मानित किया गया। हरी ओम स्माइली की गुरु मां का उद्देस्य कोई तन, मन और धन से अपंग नहीं रहे मनुष्य के जीवन से नकारात्मक चीजों को निकल के सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना है। उन्होंने उपस्थित लोगों को पुरानी से पुरानी बीमारी को मैडिटेशन से दूर करने का तरीका

समझाया। मुस्कान एक मैजिक की तरह जीवन में बदलाव ला सकती है। हसने से लोग तनाव मुक्त हो सकते है। यह कैसे जागृत करनी है यह हमे हरी ओम स्माइली सिखाती है छोटी छोटी खुशियों से जीवन में बड़े-बड़े बदलाव ला सकते है उन्होंने हर चीज का शुक्राना, प्रेम भाव, क्षमा करना की कला को सिखाया इस कार्यक्रम में हरी ओम स्माइली के सभी सदस्यों के साथ प्रांतीय महा मंत्री शुभाष सुराणा कामाख्या शाखा की अध्यक्ष स्नेहल बीदासरिया, सचिव अनुसिया शर्मा, कोषाध्यक्ष खुशबु मोर, संयोजक अरुणा अग्रवाल गुवाहाटी अमृत के अध्यक्ष परमेश्वर रांकावत, अमृत के सह सचिव अश्विन दागा, संयोजक दामोदर स्वामी, जन संपर्क कृष्णा तापरिया, प्रगति की सचिव मीनाक्छी माथुर, जन संपर्क सचिव रजनी शाह संयोजक रेखा सरावगी उपस्थित थी और इन सभी के वर्किंग मेंबर का पुरा सहयोग रहा साथ ही गुवाहाटी ग्रेटर के अध्यक्ष हितेश चोपड़ा और प्रांतीय नारी चेतना की संयोजिका बबिता मित्तल का भी पुरा सहयोग मिला यह जानकारी कामाख्या शाखा की जनसंपर्क सचिव अरुणा अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति को दी।

बंगाईगांव में श्रीमद् भागवत कथा के उपलक्ष्य में भव्य कलश यात्रा निकाली गई

बंगाईगांव। सोमवार को बंगाईगांव में बालाजी महिला मंडल के तत्वाधान में रंगारंग कलश यात्रा के साथ सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा प्रारंभ हुई। कलश यात्रा सुबह बीओसी गेट स्थित श्री हनुमान मंदिर से प्रारंभ होकर नगर परिक्रमण करती हुई आचार्य तुलसी मार्ग स्थित कथा स्थल तेरापंथ भवन में संपन्न हुई। शोभा यात्रा में महिलाएं लाल पीली साड़ी में कलश धारण करके चल रही थी तो पुरुष भी अपने परिधान में कदम से कदम मिलाकर बढ़ रहे थे। जजमान अनसूया-श्याम पोद्दार माथे पर श्रीमद् भागवत ग्रंथ को लेकर कथा स्थल तक ले गए। इस्कॉन के भक्तगण भजन गाते हुए शोभा यात्रा में चल रहे थे तो दूसरी ओर हरिद्वार से पधारे कथावाचक सुधाकर जी महाराज भी इस शोभा यात्रा में सम्मिलित हुए। कथा स्थल में शोभा यात्रा पहुंचने के बाद आज के कथा के जजमानों ने रोजाना की पूजा रचना संपन्न की। दोपहर को कथावाचक सुधाकर जी महाराज ने श्रीमद् भागवत कथा शुरू करते हुए बड़े ही मार्मिक ढंग से श्रीमद्

भागवत कथा की महता पर प्रकाश डाला। भागवत के महात्म का वर्णन करते हुए महाराज जी ने युवाओं को नशा से दुर रहकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने का आह्वान किया। व्यसन व दुर्वयसन को छोड़कर युवा राष्ट्र उन्नति की तरफ अपने जीवन को सफल करने का मार्गदर्शन किया।

रंगिया में भाजपा का विशाल बूथ सम्मेलन

रंगिया (निसं)। पंचायत चुनाव से पहले रंगिया में सत्तारूढ़ भाजपा पार्टी का विशाल बूथ सम्मेलन आयोजित किया गया। सोमवार को आयोजित इस बूथ सम्मेलन का उद्देश्य नंबर 31 रंगिया विधानसभा क्षेत्र के तहत नवगठित बूथ समितियों के कार्यकर्ताओं को अधिक सक्रिय बनाना है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता की मौजूदगी में आयोजित बूथ सम्मेलन में नवगठित बूथ कमेटी अध्यक्षों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। पार्टी के उत्तर कामरूप जिला अध्यक्ष सुबल पाल तथा अन्य नेतृत्व द्वारा आयोजित सम्मेलन में 256 से अधिक बूथ समिति पदाधिकारी व नेताओं के साथ उपस्थित थे। कांफ्रेंस के अंत में मीडिया को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता ने कहा कि भाजपा पार्टी कार्यकर्ताओं को सक्रिय बनाने के उद्देश्य से 1 सितंबर से विभिन्न अवसरों पर कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया है। नवनियुक्त विधानसभा क्षेत्र में बूथ स्तर पर पार्टी के काम में तेजी लाने के रूप में हाल ही में बूथ सम्मेलन आयोजित किए गए हैं। इस बीच पंचायत चुनाव 2025 की शुरुआत में होंगे और बूथ स्तर से चुनाव क्षेत्र को तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। वही पंचायत चुनाव में दलीय प्रतीक नहीं होने के संदर्भ में श्री कलिता ने कहा कि निचले स्तर पर प्रतीक नहीं होने पर मतभेद कम होते है। क्षमता बिकेंद्रीकरन के तृणमूल स्तर ही पंचायत व्यवस्था होने की बात कहते हुए श्री कलिता ने कहा कि प्रतीक नहीं होने पर समाज के समल लोग चुनाव में भाग लेने हेतु आगे आते है।

सड़क हादसे में बाइक चालक की मौत

बंगाईगांव (हिंस)। बंगाईगांव जिले के सापराकाटा इलाके में कोई सड़क हादसे में बाइक चालक की मौत हो गई। पुलिस में सोमवार को बताया कि बीती रात जिले के सापराकाटा इलाके में ट्रक (डब्लूबी-11एफ-0108) और बाइक (एएस-26बी-4615) के बीच में आमने-सामने की टक्वर में बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में बाइक चालक को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया जहां पर उसकी मौत हो गई। मृत बाइक चालक की पहचान मंगल मार्दी के रूप में की गई है। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम में मृत बाइक चालक का शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिक की दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद की राष्ट्रीय बैठक आयोजित

गुवाहाटी। विद्या भारती द्वारा गुवाहाटी के आदिमगिरी में पूर्व छात्र परिषद की राष्ट्रीय बैठक का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सहित क्षेत्र संयोजक एवं प्रांतीय संयोजक बैठक में सम्मिलित हुए। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के संगठन मंत्री गोविन्द चंद्र महंत सहित पूर्व छात्र आयाम के अखिल भारतीय प्रभारी विजय नड्डा का पाथेय कार्यकर्ताओं को प्राप्त हुआ। आगामी वर्ष की कार्ययोजना के बारे में विस्तृत चर्चा हुई। विद्या भारती द्वारा विगत कुछ वर्षों से राष्ट्रीय स्तर पर पोर्टल के माध्यम से पूर्व छात्र पंजीयन प्रारंभ किया गया, जिसमें 10 लाख से अधिक पूर्व छात्रों ने देश-विदेश से पंजीयन किया। पूर्व छात्र परिषद के कार्यकर्ताओं को अद्यतन जानकारी प्रदान करते हुए बताया गया विद्या भारती द्वारा देश भर में 12 हजार से अधिक औपचारिक विद्यालय एवं 8 हजार से अधिक एकल शिक्षण केंद्र संचालित हैं। उच्च शिक्षा क्षेत्र में 2 विश्वविद्यालयों सहित 50 महाविद्यालय एवं शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र संचालित हो रहे हैं। क्षेत्रीय संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी एवं क्षेत्रीय मंत्री डॉ. जगदीन्द्र रायचौधुरी भी बैठक में उपस्थित हुए। पूर्व छात्र आयाम पूर्वोत्तर क्षेत्र की संयोजिका स्वपना देवी द्वारा देश भर से आये कार्यकर्ताओं का स्थानीय

परंपरा के अंगवस्त्र द्वारा किया गया। असम की संस्कृति एवं भोजन से भी उपस्थित कार्यकर्ता परिचित हुए। असम लोक सेवा आयोग परीक्षा में सफल विद्या भारती के पूर्व छात्रों को सम्मानित किया गया। असम लोक सेवा आयोग (एपीएससी) की हाल ही में घोषित परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले विद्या भारती द्वारा असम में संचालित निकेतनों के पूर्व छात्रों को इस अवसर पर सम्मानित किया गया। इस विशेष अवसर पर विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के संगठन मंत्री गोविंद चंद्र महंत,सीमा शुल्क विभाग के उपायुक्त वरूण यादव, प्रतिष्ठित उद्योगपति राजेंद्र प्रसाद खेतान, शिशु शिक्षा समिति, असम के अध्यक्ष कुलेन्द्र कुमार भगवती उपस्थित रहे। सम्मानित छात्रों को संबोधित करते हुए वरुण यादव ने कहा कि अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग देश और समाज के विकास के लिए करें। उन्होंने छात्रों को मातृभूमि और जनसामान्य के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए प्रेरित किया। उल्लेखनीय है कि विद्या भारती के विद्यालयों के पूर्व छात्र प्रति वर्ष प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर अपनी सेवा प्रदान करते आ रहे हैं।

संपादकीय

कोसना ही संविधान समीक्षा नहीं

भारत के संविधान में 125 से अधिक संशोधन किए जा चुके हैं। सभी संसद में पारित किए गए। संविधान और गणतंत्र के 75 साल पूरे हो रहे हैं। इस अवसर पर संसद एक लंबा विमर्श करे, संविधान की समीक्षा की जाए और फिर प्रधानमंत्री सदनों को संबोधित करें। संसदीय परंपरा यही रही है और उसी का अनुपालन किया जाना चाहिए, लेकिन संविधान समीक्षा के नाम पर अतीत के प्रधानमंत्रियों और उनके फैसलों को लगातार कोसा जाए, कांग्रेस को संविधान का 'शिकार करने वाली पार्टी' करार दिया जाए, खून मुंह लग गया है, लिहाजा संविधान को बार-बार 'लहूलुहान' किया गया, ऐसे कथन संविधान की समीक्षा नहीं कहे जा सकते। देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के 17 साला कालखंड के दौरान 17 बार संविधान में संशोधन किए गए। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और प्रधानमंत्री राजीव गांधी के कार्यकालों के दौरान क्रमशः 28 बार और 10 बार संविधान में संशोधन किए गए, तो आज उन पर सवाल क्यों उठाए जा रहे हैं? उनकी प्रासंगिकता क्या है? वे तमाम संविधान-संशोधन संसद ने ही पारित किए, तो संविधान कैसे 'घायल' किया गया? यदि देश की स्वतंत्रता के बाद करीब 55 साल कांग्रेस ने देश पर शासन किया, तो देश ने जनादेश दिया होगा! क्या जनादेश का अपमान करना ही संविधान की समीक्षा है? संविधान की समीक्षा के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने अपने 110 मिनट के संबोधन में लोकसभा में 11 संकल्प रखे। उनमें खास हैं-नागरिक और सरकार अपने कत्तव्यों का पालन करें। हर क्षेत्र और समाज का समान विकास सुनिश्चित किया जाए। देश के कानून, नियम...देश की परंपराओं के पालन में गर्व हो। गुलामी की मानसिकता से मुक्ति हो, देश की विरासत पर गर्व हो। सिर्फ स्वार्थ के लिए संविधान को हथियार न बनाया जाए। जिन्हें आरक्षण मिल रहा है, उसे न छीना जाए, लेकिन धर्म के आधार पर आरक्षण की कोशिश पर रोक लगे। राजनीति परिवारवाद से मुक्त हो। भ्रष्टाचार पर 'जीरो टॉलरेंस' और भ्रष्टाचारी सामाजिक स्वीकार्य न हो। महिलाओं के नेतृत्व में विकास के जरिए भारत एक मिसाल बने। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का ध्येय हो।' इन संकल्पों को लोकसभा में प्रस्ताव के तौर पर पारित किया जाता, तो वह संविधान का हिस्सा हो सकता था। वह संविधान की समीक्षा की कोशिश भी होती। संविधान के कुछ अनुच्छेद आज अप्रासंगिक हो सकते हैं, कुछेक में अनिवार्य संशोधन या मिटाने की जरूरत होगी, तो संसद उन पर व्यापक बहस करती और अंतिम संशोधन पारित करती, तो उसे संविधान-समीक्षा माना जा सकता था। प्रधानमंत्री ने जो कुछ कहा, वह निरी सियासत के अलावा कुछ भी नहीं। दूसरी तरफ लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संविधान और 'मनु स्मृति' की तुलना करने का प्रयास किया। यह बुनियादी तौर पर गलत है, क्योंकि संविधान हमारे महान पुरखों की 'संविधान सभा' में लगातार विमर्श के बाद, बाकायदा अनुच्छेदों में, लिखा गया है। उसे राष्ट्रीय मान्यता दी गई है। 'मनु स्मृति' न तो कोई संवैधानिक संकलन है और न ही पुराण, वेद, उपनिषद-सम्मत कोई दस्तावेज है। 'मनु स्मृति' का संबंध करीब 100 साल पुराने आरएसएस, जनसंघ और भाजपा से भी नहीं है। कांग्रेस और कुछ विपक्षी दलों ने एक मान्यता गढ़ ली और वे 'मनु स्मृति' को संविधान के समानांतर मानते रहे हैं। यह सोच और मानसिकता भी गलत है। यदि किसी 'मनु' को प्रकृति का 'आदि-पुरुष' माना जाता है, तो वह राहुल गांधी की कांग्रेस, सपा, राजद, तृणमूल और वामपंथी दलों का भी 'आदि-पुरुष' होगा।

> संविधान और गणतंत्र के 75 साल पूरे हो रहे हैं। इस अवसर पर संसद एक लंबा विमर्श करे, संविधान की समीक्षा की जाए और फिर प्रधानमंत्री सदनों को संबोधित करें। संसदीय परंपरा यही रही है और उसी का अनुपालन किया जाना चाहिए, लेकिन संविधान समीक्षा के नाम पर अतीत के प्रधानमंत्रियों और उनके फैसलों को लगातार कोसा जाए, कांग्रेस को संविधान का 'शिकार करने वाली पार्टी' करार दिया जाए, खून मुंह लग गया है, लिहाजा संविधान को बार-बार 'लहूलुहान' किया गया, ऐसे कथन संविधान की समीक्षा नहीं कहे जा सकते। देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के 17 साला कालखंड के दौरान 17 बार संविधान में संशोधन किए गए। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और प्रधानमंत्री राजीव गांधी के कार्यकालों के दौरान क्रमश: 28 बार और 10 बार संविधान में संशोधन किए गए, तो आज उन पर सवाल क्यों उठाए जा रहे हैं? उनकी प्रासंगिकता क्या है? वे तमाम संविधान-संशोधन संसद ने ही पारित किए, तो संविधान कैसे 'घायल' किया गया? यदि देश की स्वतंत्रता के बाद करीब 55 साल कांग्रेस ने देश पर शासन किया, तो देश ने जनादेश दिया होगा!

भारत की सांस्कृतिक पहचान के प्रतीकों को हासिल करने के प्रयास हो रहे

सांस्कृतिक पहचान को कुचलने की कुचेष्टाएं कब तक?

ललित गर्ग

> भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को खत्म करने के लिए बड़े पैमाने पर मंदिरों और धार्मिक स्थलों को तोड़ कर मस्जिदें बना दीं। भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के शत्रु एवं तथाकथित धर्म-निरपेक्षता की राजनीति करने वाले नेता इस बात को अधिक बेहतर समझते हैं, अत: उन्होंने इतिहास को झुठलाने, धुंधलाने और काल्पनिक बातें गढ़ने एवं फैलाने पर ध्यान केंद्रित किया।

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक, धार्मिक एवं आर्थिक विरासत को कुचलने की चेष्टाएं अतीत से लेकर वर्तमान तक होती रही है। बहुत बड़ा सच है कि अगर किसी देश को नष्ट करना है तो उसकी सांस्कृतिक पहचान को खत्म कर दो। देश अपने आप नष्ट हो जाएगा। भारत पर हमला करने वाले विदेशी आक्रांताओं ने यही किया। इस्लामी आक्रांताओं ने न सिर्फ धन-संपदा लूटी बल्कि भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को खत्म करने के लिए बड़े पैमाने पर मंदिरों और धार्मिक स्थलों को तोड़ कर मस्जिदें बना दीं। भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के शत्रु एवं तथाकथित धर्म-निरपेक्षता की राजनीति करने वाले नेता इस बात को अधिक बेहतर समझते हैं, अतः उन्होंने इतिहास को झुठलाने, धुंधलाने और काल्पनिक बातें गढ़ने एवं फैलाने पर ध्यान केंद्रित किया। हमारे नेताओं-नीतिकारों की नासमझी के कारण ही इसमें वे सफल भी रहे हैं। क्या यह स्थिति बदल रही है? देश में कुछ लोग सही इतिहास को उजागर करने एवं ऐतिहासिक विरासत को धुंधलाने एवं कुचलने की कुचेष्टाओं का परिमार्जन करने के लिये तत्पर हुए है, इसी का परिणाम है कि सैकड़ों वर्षों की गुलामी के बाद आज सनातन संस्कृति का पुनरुद्धार हो रहा है। अयोध्या, काशी, मथुरा के बाद संभल और अजमेर दरगाह जैसे मामलों में साक्ष्यों और दस्तावेजों के आधार पर भारत की सांस्कृतिक पहचान के प्रतीकों को हासिल करने के प्रयास हो रहे हैं। ऐसे प्रयासों के द्वारा अशांति फैलाने का लक्ष्य नहीं है, बल्कि इतिहास बड़ी भूलों को सुधारना एवं वास्तविक तथ्यों को सामने लाना है। लेकिन, इसमें एक बड़ी बाधा है पूजा स्थल अधिनियम, 1991, जो देश में आजादी से पहले से मौजूद धार्मिक स्थलों जुड़े तथ्यों की खोजबीन की भी अनुमति नहीं देता है? क्या इसके चलते देश में आक्रांतवादी सोच एवं देश की विरासत को धुंधलाने की कोशिश पर पर्दा ही पड़ा रहेगा? ऐतिहासिक अन्याय, अत्याचार एवं राष्ट्र-विरोधी सोच एवं सच्चाई तो सामने आनी ही चाहिए। इस देश में उन विघटनकारी एवं संस्कृति-विरोधी लोगों की मर्जी कब तक चलती रहेगी? कब तक बात-बेबात हंगामा होता रहेगा? कब तक सांस्कृतिक पहचान को बेमानी साबित करने के षडयंत्र होते रहेंगे? इस सच से इंकार नहीं किया जा सकता कि इतिहास से न केवल छेडछाड़ हुई है बल्कि समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास को निस्तेज भी किया गया है। इसी बात को

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उजागर करते हुए कहा कि हमारे इतिहास के साथ छेड़छाड़ की गई है। अतीत में यह बात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर गृहमंत्री अमित शाह भी कह चुके हैं, यह बात पूर्व में भी बार-बार अनेक नेताओं ने कही है, लेकिन इतिहास को सही रूप में पेश करने का काम नहीं हो पा रहा है और वह भी तब, जब सभी इससे परिचित हैं कि सच्चे इतिहास की जानकारी के अभाव में लोगों के बीच नासमझी की खाई चोड़ी ही होती है, झूठे इतिहास को ही लोग सच मानने से उनकी अपनी परम्परा एवं इतिहास के प्रति आस्था की बजाय घृणा बढ़ती है। अपनी इतिहास एवं संस्कृति की विलक्षण एवं विशेषताओं से दूरी बनाकर झूठे इतिहास के कसीदें पढ़ने से राष्ट्र के प्रति गौरव का भाव क्षीण होता है। ऐसी स्थितियों में राष्ट्रीय एकता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के गौरवपूर्ण क्षण कैसे सामने आ सकते हैं। झूठे इतिहास के कारण लोग संगठित कैसे हो सकते हैं? उनके स्वर विपरीत ही होते हैं, जिससे एक-दूसरे से जुड़ना तो दूर आपसी द्वेष, नफरत एवं द्वंद्व की स्थितियां ही राष्ट्र पर हावी होती है। सही इतिहास जानने की इस महत्ता से हमारे नीति-निर्माता अनभिज्ञ रहे हैं। अन्यथा इस विषय पर यहां इतनी दलबंदी न होती। हमें एक असहिष्णु, उन्मादी एवं कट्टरवादी समाज बनने के रास्ते पर ही नहीं, बल्कि भीतर से ज्यादा से ज्यादा विभाजित एवं कमजोर समाज बनने के रास्ते पर धकेला जा रहा है। इस तरह की स्थितियां एवं मुहिमें देश की एकता एवं अखण्डता पर आघात करती है। भारतीयों ने गणित व खगोल विज्ञान पर प्रामाणिक व आधारभूत खोज की। शून्य का आविष्कार, पाई का शुद्धतम मान, सौरमंडल पर सटीक विवरण आदि का आधार भारत में ही तैयार हुआ। वसुधैव कुटुम्बकम का विचार इसी देश ने किया। अहिंसा यहां की जीवनशैली का सौन्दर्य रहा है, विविधता में एकता को हमने जीकर दिखाया है, लेकिन हमारी उदारता को आक्रांताओं एवं विभाजनकारी ताकतों ने हमारी कमजोरी मान लिया है। यही कारण है कि तात्कालिक एवं अतीत की कुछ नकारात्मक घटनाओं व प्रभावों ने जो धुंध हमारी सांस्कृतिक जीवन-शैली पर आरोपित की है, उसे सावधानी पूर्वक हटाना होगा। आज आवश्यकता है कि हम अतीत की सांस्कृतिक धरोहर को सहेजें और सवारें तथा उसकी मजबूत आधारशिला पर खडे.होकर नए मूल्यों व नई संस्कृति को निर्मित एवं विकसित करें। ऐसा करके ही हम नया भारत-सशक्त भारत निर्मित कर पायेंगे। समृद्ध संस्कृति भारत की एक विरासत है। इसमें धर्म, अध्यात्मवाद, ललित कलाएं, ज्ञान विज्ञान की विविध विधाएं, नीति, दर्शन, विधि, विधान, जीवन प्रणालियां और वे समस्त क्रियाएं और कार्य हैं जो उसे महान बनाती है। समय-समय पर इसका विविध संस्कृतियों के साथ संघर्ष, मिलन, परिवर्तन, परिवर्धन और आदान-प्रदान हुआ है। भारतीयों की अनेक भावनाओं पर शताब्दियों से समय-समय पर आती रहने वाली विविध जातियों ने बहुत पहले से ही अपना न्यूनाधिक प्रभाव डाल रखा था। परंतु इस्लाम के आ जाने पर भारतीय संस्कृति में एक हलचल सी मच गयी, सांस्कृतिक विरासत को ध्वस्त करने के सलक्ष्य प्रयत्न हुए, कला, धार्मिकता, शिल्प के मन्दिरों को ध्वस्त करके मस्जिदों का निर्माण कराया गया। लेकिन इन ऐतिहासिक भूलों को सुधारने का अवकाश तो हमेशा से रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने संभल मस्जिद मामले में 29 नवंबर 2024 को स्थानीय अदालत की कार्यवाही पर अस्थायी रोक लगा दी। इस मामले में विपक्षी दल विशेषतः कांग्रेस एवं समाजवादी पार्टी उत्तरप्रदेश सरकार को जबरन घसीट रही है, जबकि सर्वोच्च अदालत शांति बनाये रखने के लिये मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय को सुनवाई करने का निर्देश दिया है। 24 नवंबर को अदालती निर्देश पर हुए सर्वे के दौरान खूनी हिंसा, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी, उसके बाद सर्वोच्च न्यायालय ने जो निर्णय दिया, उसका मर्म यह है कि मामले में फैसला इस बात पर निर्भर करेगा कि क्या सच है या फिर कौन समुदाय कितना उपद्रव करता है और वह शासन-व्यवस्था के लिए कितनी बड़ी चुनौती बन सकता है। अर्थात चाहे 'अन्याय' कितना भी बड़ा हो, अदालत 'न्याय' से अधिक 'शांति-सद्भावना' को वरीयता देगी।

दृष्टि कोण

वजूद पर अफसोस जाहिर करेगा बांग्लादेश

चाकू खरबूजे पर गिरे या खरबूजा चाकू पर, आखिर कटेगा खरबूजा ही'। भारतीय सैनिकों की कुर्बानियों से वजूद में आए मुल्क बांग्लादेश पर यह प्रसंग सटीक बैठ रहा है। बांग्लादेश सन-1971 से पूर्व पाकिस्तान का हिस्सा था। बांग्लादेश की साबिक वजीरे आजम 'शेख हसीना' के परिवार तथा बांग्ला आवाम के प्रति पाक सेना का रवैया बेहद हिकारत भरा रहा है। दिसंबर 1970 में पाकिस्तान में हुए आम चुनावों में शेख हसीना के वालिद 'शेख मुजीबुर्रहमान' की पार्टी 'अवामी लीग' ने प्रचंड जीत हासिल की थी। उस इंतखाबी जीत के लिए बांग्ला अखबार 'दैनिक इत्तिफाक' ने शेख मुजीब को 'शेर-ए-पाकिस्तान' के रूप में पेश कर दिया। शेख मुजीब की प्रचंड इंतखाबी जीत तथा दैनिक इत्तिफाक अखबार की कारकर्दगी पाक सैन्य हुक्मरानों को नागवार गुजरी। सात मार्च 1971 को शेख मुजीब ने ऐलान कर दिया था कि यदि पाक सेना जनादेश का एहतराम नहीं करेगी तो आवाम पूर्वी पाक को अपना अलग बांग्ला मुल्क बनाएगी। 25 मार्च 1971 को पूर्वी पाक के सिपहसालार 'टिक्का खान' ने आपरेशन 'सर्च लाइट' का ऐलान करके बांग्ला लोगों की कत्लोगारत का सिलसिला शुरू करके दैनिक इत्तिफाक का दफ्तर भी जला दिया। पाक सेना के तशद्दुद से आक्रोषित होकर शेख मुजीब ने बांग्लादेश की आजादी की घोषणा कर दी। 26 मार्च 1971 को पाक सेना ने शेख मुजीब को हिरासत में लेकर पाकिस्तान की फैसलाबाद जेल में भेज दिया। 'याहिया खान' की सैन्य हुकूमत ने अपने जरनैल रहीमुद्दीन खान को शेख मुजीब के ट्रायल की कमान सौंपी। पाक सैन्य अदालत ने शेख मुजीबुर्रहमान को फांसी की सजा सुना दी थी। लेकिन तीन दिसंबर 1971 को पाकिस्तान ने भारत पर हमला करके एक जहालत भरी गुस्ताखी को अंजाम दे दिया। पूर्वी मोर्चे पर 'गंगासागर' में पाक फौज की मजबूत किलेबंदी पर भारतीय सेना की '14 गाड्र्स' बटालियन ने तीन दिसंबर 1971 को जोरदार हमला करके कई पाक सैनिकों को हलाक करके गंगासागर पर कब्जा कर लिया था। गंगासागर की जंग में पाक फौज की मोर्चाबंदी को ध्वस्त करने में अहम किरदार अदा करके सर्वोच्च बलिदान देने वाले लांस नायक 'अल्बर्ट एक्का' को सेना ने 'परमवीर चक्र' (मरणोपरांत) से अलंकृत किया था। गंगासागर की उसी जंग में अदम्य साहस का परिचय देने वाले '14 गाड्र्स' के मेजर 'अशोक कुमार तारा' को 'वीर चक्र' से नवाजा गया था। भारतीय सेना के जोरदार पलटवार से पाक सेना युद्ध के 13वें दिन मफलूज होकर घुटनों के बल बैठ चुकी थी। पूर्वी पाक के कमांडर 'आमिर अब्दुल्ला खान नियाजी' ने 16 दिसंबर 1971 को 'रामना रेसकोर्स' मैदान में आत्मसमर्पण के दस्तावेज पर दस्तख्त कर दिए थे। भारतीय सेना ने पाकिस्तान को तकसीम करके पूर्वी पाक को बांग्लादेश में तब्दील कर दिया था। बांग्ला आवाम जश्न-ए-आजादी के खुमार में डूब चुकी थी। गंगासागर युद्ध की जीत के बाद मेजर अशोक तारा अपनी कंपनी के साथ 'ढाका' हवाई अड्डे की सुरक्षा में तैनात थे। मगर ढाका के धानमंडी कस्बे में शेख मुजीबुर्रहमान की बेटी शेख हसीना सहित उनके पूरे परिवार को एक पाक सैन्य दस्ता हिरासत में ले चुका था। उस मुश्किल वक्त में 17 दिसंबर 1971 को 14 गाड्र्स के मेजर अशोक तारा ने मात्र दो सैनिकों के साथ जोखिम भरे सैन्य मिशन को अंजाम देकर शेख मुजीब के घर को घेर चुके पाक सैनिकों को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर करके शेख हसीना सहित बंग बंधु मुजीबुर्रहमान के पूरे परिवार को महफूज बचा लिया था। भारतीय सेना के खौफनाक हमलों से सदमे में जा चुकी पाक सैन्य हुकूमत ने सात जनवरी 1972 को शेख मुजीबुर्रहमान को पाकिस्तान की मियांवाली जेल से रिहा कर दिया। शेख मुजीब ने रावलपिंडी के चकलाला हवाई अड्डे से लंदन के लिए परवाज पकड़ी।

कुछ अलग

जीवनदायी उपचार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी अक्सर कहते हैं कि बुरा लगता है कि देश में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों का आंकड़ा दुनिया में सबसे ज्यादा है। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार देश में एक दशक में सड़क दुर्घटनाओं में 15 लाख लोगों की मौत हुई । हर साल कोई डेढ़ लाख से अधिक लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि मरने वाले ज्यादातर युवा व परिवार के कमाने वाले होते हैं। उनके मरने से परिवार गरीबी के दलदल में जा धंसता है। यदि दुर्घटना होने पर घायलों को तुरंत व मुफ्त उपचार मिले तो लाखों जानें बचायी जा सकती हैं। इस संकट के मद्देनजर ही सड़क एवं राजमार्ग मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति का शुरुआती गोल्डन ऑवर में निःशुल्क उपचार कराया जाएगा। दुर्घटना के बाद सात दिनों के भीतर घायल को डेढ़ लाख रुपये तक उपचार मुफ्त मिल सकेगा। हरियाणा पुलिस ने भी इस योजना की शुरुआत कर दी है। प्रदेश की सड़कों को नागरिकों के लिये सुरक्षित बनाने की पहल को विस्तार दिया जा रहा है। दरअसल, यह पायलेट प्रोजेक्ट नेशनल हेल्थ अथॉरिटी द्वारा स्थानीय पुलिस और राज्य स्वास्थ्य विभाग द्वारा अनुबंधित अस्पतालों के साथ तालमेल करते हुए संयुक्त रूप से लागू किया जाएगा। इसमें अस्पताल प्रबंधन सॉफ्टवेयर में घायल व्यक्ति का डेटा अपलोड करके संबंधित पुलिस थाने को भेजेगा। थाना छह घंटे के भीतर दुर्घटना की पुष्टि करेगा, फिर घायल को कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी। निश्चित रूप से सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय की पहल पर शुरू की गई इस योजना का स्वागत किया जाना चाहिए। यदि समय रहते घायलों को उचित व मुफ्त उपचार मिल जाए तो हर साल हजारों जानें बचायी जा सकती हैं। लेकिन जरूरत इस बात की है कि अस्पतालों व पुलिस में बेहतर तालमेल स्थापित हो। निश्चित रूप से घायलों के प्रति संवेदनशील व्यवहार व औपचारिकताओं के बिना तुरंत उपचार जीवन रक्षक ही साबित होगा। उन बाधाओं को दूर करने की भी जरूरत है जिसकी वजह से लोग घायलों की मदद करने से कतराते हैं। इसके अलावा उन बिंदुओं पर विस्तार से काम करने की जरूरत है, जिसकी वजह से सड़क दुर्घटनाओं में तेजी आती है। जरूरी है कि जन-जागरुकता अभियान चलाकर लोगों को दुर्घटनाओं को टालने के लिये सतर्क रहने को प्रेरित किया जाए। उन स्थानों को चिन्हित किया जाए जहां दुर्घटना उन्मुख क्षेत्र स्थित हैं। इंजीनियरिंग विभाग की मदद से उन तकनीकी खामियों को दूर किया जाए जो दुर्घटना का कारण बनती हैं। इसी तरह स्कूली बसों की सुरक्षा की भी नियमित जांच होनी चाहिए। इस दिशा में हरियाणा पुलिस ने बड़ी पहल करते हुए 19 हजार से अधिक स्कूल बसों की जांच की है और खामी पाये जाने पर करीब साढ़े चार हजार से अधिक बसों के चालान भी किए हैं। इसी तरह ओवरलोडिंग करने वाले वाहनों का भी चालान किया जाना चाहिए, ताकि दुर्घटना की आशंका को टाला जा सके। निस्संदेह, सरकार, पुलिस-प्रशासन तथा नागरिकों की जागरूकता से ही दुर्घटनाएं टाली जा सकती हैं।

देश दुनीया से

सुस्त विकास और महंगाई की चुनौती

हाल ही में 11 दिसंबर को भारतीय रिजर्व बैंक के नव नियुक्त 26वें गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि वह महंगाई नियंत्रण और विकास दर के बीच उपयुक्त संतुलन बनाने की डगर पर आगे बढ़ेंगे। साथ ही अर्थव्यवस्था के लिए सर्वोत्तम काम करने की कोशिश करेंगे। गौरतलब है कि यद्यपि 12 दिसंबर को घोषित आंकड़ों के अनुसार खुदरा महंगाई दर घटकर 5.8 फीसदी रह गई है, फिर भी यह रिजर्व बैंक के महंगाई के तय दायरे से अभी काफी ऊपर बनी हुई है। ऐसे में इस समय देश में धीमी विकास दर और महंगाई की चुनौती का परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। बीते दिनों राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 5.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि इसके पहले अप्रैल से जून की पहली तिमाही में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। इस सुस्त विकास दर के परिदृश्य से प्रभावित हुए बिना हाल ही में 6 दिसंबर को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में विकास दर बढ़ाने के लिए ब्याज दर में कमी नहीं करते हुए महंगाई नियंत्रण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ने लगातार 11वीं बार ब्याज दर यानी नीतिगत दर (रेपो) में कोई बदलाव नहीं किया और इसे 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा। रेपो वह ब्याज दर है जिस पर कमर्शियल बैंक अपनी तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के लिए केंद्रीय बैंक से कर्ज लेते हैं। आरबीआई मुद्रास्फीति को काबू में रखने के लिए इस दर का उपयोग करता है। हालांकि अर्थव्यवस्था में नकदी बढ़ाने के मकसद से रिजर्व बैंक ने कैश रिजर्व रेश्यो (सीआरआर) को 4.5 प्रतिशत से घटाकर चार प्रतिशत कर दिया। इस कदम से बैंकों में 1.16 लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त नकदी उपलब्ध होगी। इससे बैंकिंग क्षेत्र में नकदी की स्थिति में सुधार होगा। ज्ञातव्य है कि सीआरआर के तहत कमर्शियल बैंकों को अपनी जमा का एक निर्धारित हिस्सा कैश रिजर्व के रूप में रिजर्व बैंक के पास रखना होता है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में आरबीआई ने मौजूदा स्थिति को देखते हुए चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को 7.2 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष में खुदरा महंगाई के अनुमान को भी 4.5 प्रतिशत बढ़ाकर 4.8 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर शक्तिकांत दास ने दिसंबर 2024 की मौद्रिक नीति के निर्णय के परिप्रेक्ष्य में कहा था कि निकट भविष्य में, कुछ नरमी के बावजूद, खाद्य कीमतों पर दबाव बने रहने से चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में मुख्य महंगाई के ऊंचे स्तर पर बने रहने की संभावना है। उन्होंने कहा था कि महंगाई के मद्देनजर वैश्विक अर्थव्यवस्था में अभी बांड प्रतिफल में वृद्धि, जिन्स कीमतों में उतार-चढ़ाव और बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिम जैसी कई तरह की बाधाएं हैं। साथ ही आयात शुल्क में वृद्धि और वैश्विक कीमतों में वृद्धि के बाद घरेलू खाद्य तेल की कीमतों की बदलती दिशा पर बारीकी से नजर रखने की जरूरत है। दास ने कहा था कि रिकॉर्ड खरीफ उत्पादन के अनुमान से चावल और तुअर दाल की बढ़ी हुई कीमतों में राहत मिलेगी। सब्जियों की कीमतों में भी सुधार की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि आगे चलकर, खाद्य मुद्रास्फीति के दबाव को कम करने के लिए एक अच्छा रबी सीजन महत्वपूर्ण होगा। प्रारंभिक संकेत पर्याप्त मिट्टी की नमी और जलाशय के स्तर की ओर इशारा करते हैं, जो रबी की बुवाई के लिए अनुकूल है। ऐसे में चालू वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में विकास दर बढने की उम्मीद है। निःसंदेह आरबीआई के द्वारा मौद्रिक नीति समीक्षा के तहत महंगाई नियंत्रण को सर्वोच्च प्राथमिकता दिया जाना सही कदम है। वस्तुतः पिछले दो महीनों अक्टूबर-नवंबर 2024 में महंगाई दर के बढने की स्थिति आश्चर्यचकित करने वाली रही है। पिछले माह आरबीआई ने 2 से 11 नवंबर, 2024 को परिवारों को महंगाई को लेकर कैसी उम्मीदें हैं, इस विषय पर सर्वेक्षण कराया था। आरबीआई के सर्वेक्षण से यह अंदाजा मिलता है कि सितंबर 2024 के चरण की तुलना में नवंबर के सर्वेक्षण में शामिल प्रतिभागियों में एक बड़े वर्ग को ऐसा लगता है कि नए साल 2025 में कीमतें और महंगाई दोनों ही बढ़ेंगी। यह बढ़ोतरी मुख्य तौर पर खाद्य वस्तुओं और घर से जुड़े खर्चों के बढ़ते दबाव की वजह से होगी। इस बीच उपभोक्ता आत्मविश्वास सर्वेक्षण से यह अंदाजा मिला है कि सर्वेक्षण के प्रतिभागियों की मौजूदा कमाई की धारणा में भले ही कमी आई हो, लेकिन उन्हें इस बात की बड़ी उम्मीद है कि भविष्य में आमदनी बढ़ेगी, रोजगार की स्थिति में भी सुधार आएगा। परिवारों को ऐसा लगता है कि एक साल की अवधि के दौरान बेहद जरूरी और गैर-जरूरी खर्च बढ़ेंगे। हालांकि उन्होंने आगे के वर्ष के लिए कीमतों को छोडक़र प्रमुख आर्थिक मापदंड के लिए अधिक आशावादी होने के संकेत दिए हैं। यहां यह उल्लेखनीय है कि पिछले माह 15 नवंबर को वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने अपनी रिपोर्ट में भारत में महंगाई और विकास के बीच संतुलन बनाए रखने की सराहना की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि महंगाई में कम अवधि की तेजी के बावजूद आने वाले महीनों में महंगाई दर रिजर्व बैंक के द्वारा निर्धारित लक्ष्य की ओर पहुंचेगी, क्योंकि ज्यादा बोआई और पर्याप्त अनाज भंडार के कारण कीमतों में कमी आएगी। चूंकि भू-राजनीतिक तनावों और मौसम की स्थिति खराब होने पर महंगाई दर बढने का जोखिम भी बना हुआ है, अतएव इसी कारण नीतिगत ढील को लेकर रिजर्व बैंक सावधानी बरत रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में महंगाई के बीच भी अर्थव्यवस्था अच्छे दौर में है। रेटिंग एजेंसी ने वर्ष 2024 में भारत की वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। उसके बाद 2025 और 2026 में क्रमशः 6.6 प्रतिशत और 6.5 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है।

> खुदरा महंगाई दर घटकर 5 .8 फीसदी रह गई है, फिर भी यह रिजर्व बैंक के महंगाई के तय दायरे से अभी काफी ऊपर बनी हुई है। ऐसे में इस समय देश में धीमी विकास दर और महंगाई की चुनौती का परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। बीते दिनों राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 5 .6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि इसके पहले अप्रैल से जून की पहली तिमाही में 6 .7 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

आप का नजरीया

रोजगार के मैदान पर

एक हिमाचल रोजाना अल सुबह उठता है ताकि सामने पहाड़ के पीछे छिपा सूरज उगे, तो उसके ललाट पर भविष्य का स्पर्श हो। यह हिमाचल युवाओं का है जो जिंदगी के तराने अपनी मेहनत से चुनते हैं। इन्हें सैन्य या अद्र्ध सैन्य बलों में शरीक होना है। इनके लिए हिमाचल की योजनाओं, सरकार के वायदों या घोषणाओं की अधोसंरचना से कोई मतलब नहीं। ये घर, समाज और सरकार की दीवारों के बाहर और मौसम की बेरुखी में खुद को बुन रहे हैं। सरकारी स्कूल-कालेजों के सर्वेक्षणों में होती रैंकिंग से बेखबर युवाओं की टोलियां खुद को सैन्य बलों के कठोरतम अभ्यास के काबिल बना रही हैं और नतीजों की फिराक में रोजगार का यह परचम किसी न किसी मैदान में फहराता है। एक और हिमाचल हाथ में नोटबुक लिए किसी पुस्तकालय में भविष्य का शंखनाद कर रहा है। कुछ ऐसे ही युवाओं ने शिलाई क्षेत्र की फिजाओं में अपने भविष्य की खाद देखी, तो मेहनत से वर्जनाओं की हर नकाब हटाते हुए सेना में पहुंच गए। ऐसे सैकड़ों युवा चंबा के दुरुह क्षेत्रों से निकलकर धर्मशाला के मैदानों में कसरतें करते हुए हर साल सेना या पुलिस की वर्दी के लिए अपना सीना सौंपते हैं। एक शृंखला के रूप में जो खुद सेना में चले जाते, कल वही प्रेरणा बनकर अन्य बेरोजगार युवाओं में अपने आदर्श को सिंचित कर देते हैं। यह सामान्य रोजगार में संभव नहीं और न ही रोजगार का उच्च स्तर इस तरह उपलब्ध है। शिलाई के तीस युवाओं ने सेना में स्थान पाने के बाद विश्राम नहीं किया, बल्कि अपने दम पर और वित्तीय योगदान से रोजगार का एक मैदान बना दिया। युवाओं ने मैदान में रोजगार के संकल्प, शारीरिक क्षमता का विकास और जीवन में आने का उद्देश्य समझा जो हिमाचल का विभाग नहीं समझा रहा। हमने कृषि और बागबानी के अलग-अलग विश्वविद्यालय बना दिए और अब इनसे जुड़े महाविद्यालय अलग से बना दिए, लेकिन क्या किसी ने कभी सोचा कि युवाओं को रोजगार उगाने के लिए प्रेरित कैसे किया जाए। एक सामान्य कालेज का छात्र जिस रोजगार का पीछा कर रहा है और अगर उस तरह के उन्माद में कृषि एवं बागबानी के डिग्रीधारक भी पीछा करें तो हम अपने मानव संसाधन को नष्ट कर रहे हैं। क्या हिमाचल की क्षमता में बागबानी व कृषि की उपाधियां प्रासंगिक हैं और अगर नहीं हैं, तो हमारी नीतियों के पास विकल्प क्या है। क्या हमने कोआपरेटिव फार्मिंग, एग्रो इंडस्ट्री या कृषि-बागबानी में नवाचार के लिए शिक्षा को जोड़ा। कायदे से हमें जंगल से कृषि और बागबानी के लिए रोजगार मांगना और खोजना होगा। प्रदेश के जंगलों के तहत ऐसी जमीन उपलब्ध है, जहां उपाधि प्राप्त कृषि एवं बागबानी से संबंधित युवा कोआपरेटिव फार्मिंग के तहत आर्थिकी एवं रोजगार उगा सकते हैं। सरकार की मंशा है कि सामान्य डिग्री कालेजों में बीएड का पाठ्यक्रम भी जोड़ दिया जाए, जबकि दूसरी ओर स्कूलों की संख्या घटाने की मजबूरी है तथा नियमित बीएड कालेजों में सीटें भरनी मुश्किल हो गई हैं।

उप्र विधानसभा में संभल मुद्दे पर विपक्ष के हंगामे के बाद मुख्यमंत्री ने किया पलटवार

हम तो राम-कृष्ण और बुद्ध पर विश्वास करते हैं और उन्हीं को आदर्श मानकर कार्य करते हैं : सीएम योगी

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सोमवार को दोनों सदनों की कार्यवाही शुरू हुई। विधान सभा में मुख्य विपक्षी दल सपा ने प्रश्नकाल के दौरान नियम 311 के तहत संभल एवं बहराइच की साम्प्रदायिक हिंसा की घटना पर चर्चा की मांग की। नियम के तहत नहीं आने की वजह से विधान अध्यक्ष सतीश महाना ने चर्चा कराने से मना किया तो सपा के सदस्य बेल में आकर हंगामा करने लगे। लगातार हंगामे के करीब 20 मिनट बाद विधानसभा की कार्यवाही 12:20 बजे तक स्थगित कर दी गयी। शून्य प्रहर के दौरान विपक्ष की नियम 356 के तहत इस विषय की ग्राह्यता पर सभी विपक्षी दलों के नेताओं ने अपनी बात रखी। इसके बाद नेता सदन व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि आपको बाबा साहब आंबेडकर के मूल संविधान की प्रस्तावना को पढ़ना चाहिए। मौलिक अधिकारों को देखना चाहिए। अलग-अलग पृष्ठों का अवलोकन करेंगे तो आपको उसमें राम भी नजर आएंगे और कृष्ण भी, लंका दहन के उपरांत बजरंग बली भी नजर आएंगे और ज्ञान का उपदेश देने वाले बुद्ध भी दिखेंगे। भारत की समृद्ध परंपरा का दर्शन आपको उसी संविधान में मिलेगा, लेकिन उस मूल संविधान में कहीं भी धर्मनिरपेक्ष, पंथनिरपेक्ष या समाजवाद शब्द नहीं है। यह सब आपकी आंखों को खोलने वाला होना चाहिए। आप लोग संविधान में बदलाव की बात करते हैं, जिन लोगों ने संविधान का गला घोंटा, उनका पिछलग्गू बनकर केवल सत्ता हथियाना चाहते हैं। आप जनता की आंखों में धूल झोंकना चाहते हैं लेकिन यह नहीं हो सकता। देश आपको यह नहीं करने देगा। योगी ने कहा कि नेता विरोधी दल को बोलना चाहता हूं कि बुद्ध ने करुणा और मैत्री का उपदेश उस कालखंड में दिया था, जब विदेशी हमले शुरू हो गए थे, लेकिन उससे पहले ही राम ने कहा था *निसिचर हीन करहुं महि भुज उठाई पन कीन्ह,* उससे पहले भगवान कृष्ण ने भी कहा था *परित्राणाय साधुनाम विनाशाय च दुष्कृताम।* हम तो राम और कृष्ण को ही मानते हैं, बुद्ध पर विश्वास करते हैं, उन्हीं को आदर्श मानकर कार्य करते हैं। शासन पद्धति एक भी इंच इधर-उधर नहीं करते हैं। संभल हो या कहीं और दोषियों को छोड़ा नहीं जाएगा। यह भी सुनिश्चित करेंगे कि निर्दोष के खिलाफ कोई कार्रवाई न हो। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि संभल में जैसे ही आपके खटाखट की असलियत सामने आई, जनता ने कहा सफाचट। उपचुनाव में 9 में से 7 पर भाजपा और एनडीए गठबंधन जीता है। यही नहीं, सीसामऊ और करहल को याद करिए। 2022 में समाजवादी पार्टी ने करहल में करीब 70, 000 मतों से जीत दर्ज की थी, इस बार वह मात्र 13-14000 तक आ गई है। वह भी *चच्चू* थोड़ी कृपा कर लिए, नहीं तो वहां भी सफाचट ही था, लेकिन चिंता मत करिए अगली बार होगा। सीसामऊ में भी बाल-बाल बच गए। कुंदरकी में लोगों को अपनी जड़ें याद आने लग गई हैं। मुझे लगता है कि जिस दिन इकबाल महमूद को भी अपनी जड़ें याद आएंगी तो वह भी यही बात बोलेंगे। आप सभी से कहूंगा कि एक बार बाबरनामा को जरूर पढ़ें। भारत अकेला देश, जहां बहुसंख्यक समाज विशेष अधिकार की नहीं, समान नागरिक कानून की बात करता है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने समान नागरिक कानून की वकालत की तो विपक्ष ने उनके खिलाफ राज्यसभा में महाभियोग का नोटिस दे दिया। यह आपके दोहरे चरित्र को प्रदर्शित करता है। उच्चतम न्यायालय द्वारा सर्वे पर रोक लगाने और बुलडोजर की कार्रवाई पर दी गई गाइडलाइन का यह लोग स्वागत कर रहे हैं। उप्र अकेला राज्य है, जिसने बुलडोजर की कार्रवाई को अक्षरशः सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के अनुसार अंजाम दिया है। सपा व कांग्रेस के लोग न्यायाधीश के खिलाफ राज्यसभा में महाभियोग का नोटिस देकर सच का मुंह जबर्दस्ती बंद करना चाहते हैं। यह लोग गन प्वाइंट पर संवैधानिक संस्थाओं से अपनी बात मनवाना चाहते हैं योगी ने कहा कि राज्यसभा के सभापति (उपराष्ट्रपति) के खिलाफ भी अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस इसलिए दिया गया, क्योंकि उन्होंने सदन के सकुशल संचालन के लिए सभी पक्षों से कहा था। सभापति व चेयरपर्सन के रूप में उनकी यही जिम्मेदारी है, लेकिन किसान पुत्र कैसे इतनी बड़ी कुर्सी पर पहुंच गया, यह इन लोगों को अच्छा नहीं लग रहा है। चुनाव के दौरान चुनाव आयोग को कठघरे में खड़ा किया गया। यानी यह लोग संवैधानिक संस्थाओं से गन पॉइंट पर अपनी बातों को मनवाना चाहते हैं। यह चरित्र स्वस्थ लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। हमें संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान करना होगा और इसे मजबूत बनाना होगा। सीएम ने कहा कि न्यायहित, समाजहित, राष्ट्रहित व भविष्य हित में शासन-प्रशासन की कार्रवाई का समर्थन करना चाहिए। बहराइच व संभल की घटना में प्रशासन की कार्रवाई न्यायसंगत तरीके से बढ़ रही है। संभल की घटना में ज्यूडिशियल कमीशन गठित किया गया है। इसके सदस्य लगातार विजिट कर रहे हैं। लोगों के बयान लेंगे, सबकी बात सुनेंगे और सच को सामने लेकर आएंगे, लेकिन आपके अनावश्यक पत्थरबाजी, अवैध असलहे से फायर करने से वहां शांति बहाल नहीं होने वाली है।

महिला आयोग के समक्ष पेश हुए एसजीपीसी अध्यक्ष, मांगी माफी

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब महिला आयोग से नोटिस मिलने के बाद शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी सोमवार को चंडीगढ़ पहुंचे और महिला आयोग के समक्ष अपने बयान दर्ज करवाए। उल्लेखनीय है कि शनिवार को एडवोकेट धामी ने बीबी जागीर कौर के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग किया था, जहां से विवाद शुरू हुआ। यह मामला मीडिया में आने के बाद महिला आयोग ने इसका स्वतः संज्ञान लिया और एडवोकेट धामी को 17 दिसंबर तक जवाब देने के आदेश जारी किए। महिला आयोग की तय तारीख से एक दिन पूर्व ही एडवोकेट धामी ने इस मामले में महिला आयोग को अपना जवाब सौंप दिया। उन्होंनें बताया कि उनसे गलती हुई है और वह इसके लिए माफी मांगते हैं। इस संबंध में महिला आयोग की चेयरपर्सन राज लाली गिल ने साफ किया कि सिर्फ माफी मांगने से यह मामला खत्म नहीं होगा। जल्दबाजी में दिल में जो बातें होती हैं, वह बाहर आ जाती हैं। राज लाली गिल ने कहा कि उन्होंने बीबी जागीर कौर से फोन पर भी बात की है। वह जल्द ही उन्हें फोन करके उनका पक्ष सुनेंगी, इसके बाद कार्रवाई आगे बढ़ाई जाएगी। एसजीपीसी अध्यक्ष इस बारे में अकाल तख्त साहिब को भी अपना माफीनामा सौंप चुके हैं।

एक थैला-एक थाली अभियान को मिला जनसमर्थन

जयपुर (हिंस)। प्रयागराज महाकुंभ-2025 के लिए चलाए एक थैला-एक थाली अभियान को राजधानी में पूरा जन समर्थन मिल रहा है। लोग स्वैच्छा से अपनी क्षमता के अनुसार सहयोग कर रहे हैं। इसी कड़ी में महावेग इंस्टीट्यूशनल फाउंडेशन ने 2000 थाली और 2000 थैले का सहयोग किया है। चित्रकूट सेक्टर 103 से यह सामान ढोल-नगाड़ों के साथ प्रयागराज रवाना किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पर्यावरण गतिविधि के जयपुर प्रांत प्रमुख अशोक शर्मा ने प्रारंभ में मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना की। शर्मा ने थाली और थैला देने वाले लोगों का आभार जताया। पर्यावरण गतिविधि के महानगर प्रमुख अशोक दाधीच, मानसरोवर भाग प्रमुख नवरंग एवं अन्य उपस्थित थे।

टिकैत की किसानों को नसीहत, *बटोगे तो लुटोगे*

चंडीगढ़ (हिंस)। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि किसान आंदोलन का फायदा इस समय भाजपा सरकार को हो रहा है। उन्होंने कहा कि अभी किसान पंजाब की जमीन पर हैं और पंजाब में सरकार आम आदमी पार्टी की है। करनाल में सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में टिकैत ने कहा कि आंदोलन अभी चार से पांच महीने और चलेगा। उन्होंने किसानों को एकजुट होने की नसीहत देते हुए कहा कि बटोगे तो लुटोगे। टिकैत ने कहा कि 10 महीने पहले जब आंदोलन शुरू हुआ था, तो उस वक्त भी हमने यही कहा था कि संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) और अन्य सभी किसान इकठ्ठे जाए। दिल्ली कूच की कॉल कोई भी अलग-अलग न दे। कोई यूपी से दिल्ली कूच की कॉल करता है, तो कोई राजस्थान से दिल्ली कूच की कॉल करता है। जब तक एका न हो तब तक दिल्ली से दूर रहे। क्योंकि दिल्ली 62 हजार वोल्ट का करंट है और वह एकजुट होकर ही पार करना पड़ेगा। पंजाब के किसान नेता डल्लेवाल की बिगड़ती तबीयत के सवाल पर राकेश टिकैत ने कहा कि उनकी तबीयत की सभी को चिंता है और सरकार को फैसला करना चाहिए, किसान संगठन एक हैं। किसान संगठन कुछ नहीं कर सकते, लेकिन जो भी फैसला करना है वह सरकार को करना है। लाभ हानि सरकार को देखना है। किसानों के साथ नजर नहीं आने वाले सवाल पर टिकैत ने कहा कि हम किसानों के साथ है। जो लोग दिल्ली से वापस आए थे और वे ही लोग दिल्ली की तैयारी करते हैं तो सभी को एकत्रित होना पड़ेगा। अकेला वहां पर कोई कुछ नहीं कर सकता, उसकी वहां पर हार होगी। आंदोलन अकेले से सफल नहीं होता। राकेश टिकैत ने स्पष्ट किया कि अभी हम न तो गाजीपुर बॉर्डर पर बैठे हैं और न ही हमारा कोई दिल्ली का प्रोग्राम है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर हरियाणा के किसानों को मिले पानी : नायब सैनी

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने हरियाणा की सीमा पर पंजाब के किसानों द्वारा किए जा रहे आंदोलन पर कहा कि हरियाणा को उसके हिस्से का पानी दिलाने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा पहले ही फैसला दिया जा चुका है। हरियाणा को अगर उसके हिस्से का पानी मिलता है तो इसका सबसे अधिक लाभ किसानों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा के किसान संगठन इस आंदोलन का हिस्सा नहीं बने हैं। क्योंकि यहां सभी फसलों पर एमएसपी दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने प्रदेश वासियों को अपील की कि वह अपने-अपने जिलों में आयोजित होने वाले समाधान शिविरों में अपनी शिकायतें लेकर जाएं।

विजय दिवस के रूप में मनाई भारत-पाक युद्ध की वर्षगांठ

जोधपुर (हिंस)। वर्ष 1971 के भारत-पाक युद्ध में जीत की वर्षगांठ सोमवार को सभी सैन्य स्टेशनों पर विजय दिवस के रूप में मनाई गई। इस दौरान 1971 के भारत-पाक युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। इस आयोजन का उद्देश्य सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुरों को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि देने के साथ ही लोगों में गर्व की भावना पैदा करना और पूर्व सैनिकों के साथ एकजुटता का संदेश फैलाना था। 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारतीय सशस्त्र बलों की जीत के उपलक्ष्य में आज विजय दिवस मनाया गया। इस दौरान सभी सैन्य स्टेशनों के साथ ही अन्य स्थानों पर भी श्रद्धांजलि कार्यक्रम हुए। इसमें 1971 के भारत-पाक युद्ध में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के तत्वावधान में विजयोत्सव पर रेजिडेंसी रोड गौरव पथ स्थित शहीद स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में कई पूर्व और सेवारत सैनिकों के साथ गणमान्य लोग शरीक हुए। उन्होंने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनकी शहादत को नमन किया।

किसानों की मांगें जायज, सरकार को माननी चाहिए : अभय चौटाला

झज्जर (हिंस)। इंडियन नेशनल लोकल डाटा अभय चौटाला ने कहा कि किसानों की लड़ाई में इंडियन नेशनल लोकदल पार्टी उनके साथ है। किसानों को एकजुट होकर कोई बड़ा फैसला लेना चाहिए। अभय चौटाला एमएसपी पर कानून बनाने और किसानों के कर्ज माफी जैसी मुख्य मांगों को लेकर पिछले 20 दिनों से अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का हाल-चाल पूछने के लिए दिल्ली से जाते समय बहादुरगढ़ में कार्यकर्ताओं से रूबरू हुए। जहां इनेलो के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष स्व. नफे सिंह राठी के पुत्र भूपेंद्र सिंह राठी ने कार्यकर्ताओं के साथ उनका स्वागत किया। बहादुरगढ़ से भी काफी कार्यकर्ता अभय सिंह चौटाला के साथ खनौरी बॉर्डर के लिए रवाना हुए। इस दौरान अभय सिंह चौटाला ने कहा कि इस लड़ाई में इंडियन नेशनल लोकदल पूरी तरह किसानों के साथ है। उन्होंने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करते हुए कहा कि भाजपा सरकार किसान विरोधी है और अपराधियों का संरक्षण करती है। उन्होंने कहा कि कैंसर की बीमारी से जूझ रहे जगजीत सिंह डल्लेवाल की तबीयत काफी नाजुक बनी हुई है, बावजूद इसके वो किसानों के लिए आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं। उन्होंने कहा कि इनेलो पार्टी का किसान आंदोलन को पूर्ण समर्थन देने का ऐलान वे पहले से ही कर चुके हैं। वह आज किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल से मिलेंगे और एक बार फिर से किसान नेता अगर उनकी कोई बड़ी जिम्मेवारी लगाते हैं तो वहीं पर ही कोई बड़ा निर्णय भी लेंगे। सनद रहे कि केंद्र की सरकार द्वारा तीन काले कानून लागू करने पर संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा किए गए आंदोलन के दौरान संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं के आह्वान पर अभय सिंह चौटाला पूरे देश के एक मात्र विधायक थे जिन्होंने अपने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था। अभय सिंह चौटाला ने किसानों की मांगों को जायज करार देते हुए केंद्र की सरकार से तुरंत सभी मांगों को मानने की अपील की। अगर किसानों की मांगों को भाजपा सरकार नहीं मानती तो किसान आंदोलन को मजबूत करने के लिए इनेलो का एक एक पदाधिकारी और कार्यकर्ता तैयार बैठा है। पहले भी आंदोलन को मजबूती देने के लिए इनेलो पार्टी के कार्यकर्ता लगातार तेरह महीनों तक सिंघु बॉर्डर और टीकरी बॉर्डर पर डटे रहे थे और किसानों के स्वास्थ्य चिकित्सा के लिए इनेलो की तरफ से सिंघु बॉर्डर और टीकरी बार्डर पर अस्पताल तक भी खोल दिए थे। अभय सिंह चौटाला ने कहा कि भाजपा सरकार अपराधियों को संरक्षण देने का काम कर रही है। लगभग 10 महीने बीत जाने के बाद भी स्व. नफे सिंह राठी हत्याकांड का कोई खुलासा नहीं हो पाया है, जो सरकार की लचर कानून व्यवस्था का प्रमाण है। अभय चौटाला ने बहादुरगढ़ में इनेलो कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और कार्यकर्ताओं को संगठित कर पार्टी को मजबूत बनाने के निर्देश भी दिए। इस मौके पर रामनिवास सैनी, पप्पू कानोंदा, पार्षद मोहित राठी, महेंद्र दलाल आसोदा सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जनजातीय परिवारों के जरूरतमंदों को प्राथमिकता से मिले आवास : राज्यपाल

जयपुर (हिंस)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने जनजाति क्षेत्रों के विकास के लिए प्रभावी प्रयास किए जाने का आह्वान किया है। उन्होंने जनजातीय परिवारों के जरूरतमंदों को प्राथमिकता से आवास योजनाओं से लाभ पहुंचाने पर जोर दिया। राज्यपाल ने सोमवार को चितौड़गढ़ में जिला स्तरीय अधिकारियों से संवाद कर विभिन्न विकास योजनाओं के जिला स्तर पर क्रियान्वयन को लेकर संवाद किया। राज्यपाल ने विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों को आर्थिक रूप से संबल प्रदान कराने तथा रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने को लेकर जिला स्तर पर किए जा रहे विभिन्न प्रयासों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि किसी भी वस्तु का उत्पादन करना आसान होता है लेकिन इसकी मार्केटिंग भी उतनी ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न उत्पादों को स्थानीय तथा

अन्य स्तर पर पर्याप्त मार्केटिंग कराने के अधिकारी प्रयास करें ताकि उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके। उन्होंने जिले में चिकित्सा सेवाओं की समीक्षा भी की। उन्होंने मेडिकल कॉलेज तथा स्थानीय स्तर पर तैयार होने वाले चिकित्सकों के स्थानीय स्तर पर सेवाएं देने के प्रयास करने को कहा। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं शहरी में वंचितों को लाभ देने एवं अब तक की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली। जिला प्रशासन द्वारा धनतेरस पर स्वीकृत आवासों का शिलान्यास करने के नवाचार को सराहा। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लखपति दीदी बनाने के लिए किए जा रहे जिला स्तरीय प्रयासों की जानकारी जिला कलेक्टर आलोक रंजन ने ली। राज्यपाल ने बैठक में केंद्र प्रायोजित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, राइजिंग राजस्थान, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, ऊर्जा विभाग की पीएम सूर्यघर योजना एवं कुसुम योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, दीनदयाल अंत्योदय योजना सहित विभिन्न योजनाओं को जिला स्तर एवं ग्रामीण स्तर पर क्रियान्वयन को लेकर जानकारी ली। बैठक में राज्यपाल ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जिला स्तर पर लगाए गए पेड़ों एवं उनकी सुरक्षा की जानकारी ली। बैठक में जिला कलक्टर आलोक रंजन ने विभिन्न योजनाओं की जानकारी पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से दी और जिले में हुए विभिन्न नवाचारों एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी। बैठक में जिला कलक्टर ने विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

करणी सेना के जिला अध्यक्ष पर हुए जानलेवा हमले के विरोध में प्रदर्शन

अलवर (हिंस)। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह चौहान पर हुए जानलेवा हमले के विरोध में आज मिनी सचिवालय के बाहर समाज के लोगों ने धरना प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष देवेंद्र ने बताया कि 12 दिसंबर को वह अपनी गाड़ी लेकर दाऊदपुर से आ रहे थे तभी अल्ताफ, जावेद, शक्ति सहित कई लोगों ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से वह सम्भलते तब तक आरोपी हमला कर भाग गए। जिसकी शिकायत एनईबी थाने में दर्ज कराई गई। इसके बावजूद पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया। प्रदर्शन के दौरान सभी लोग मिनी सचिवालय के बाहर गेट पर बैठ गए। तभी एडिशनल एसपी तेजपाल सिंह मौके पर पहुंचे और उन्होंने उन्हें ऑफिस बुलाकर उनसे ज्ञापन लिया। साथ ही आश्वासन दिया कि पुलिस जल्द आरोपियों को गिरफ्तार करेंगी। वहीं राजपूत समाज के लोगों ने कहा कि अगर आरोपियों की जल्दी गिरफ्तारी

नहीं हुई तो आंदोलनात्मक कदम उठाए जाएंगे। इस दौरान दीपक सिंह तंवर, विक्रम सिंह चौहान, मोहन सिंह चौहान, विश्वद्र चौधरी, सुशील सिंह, सोमवीर, बबलू बना, निशांत, अनुराग भदौरिया सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

हिंदुओं का उत्पीड़न करने वाला समाज कभी भी उनका भाई नहीं हो सकता : डॉ. प्रवीण तोगड़िया

वाराणसी (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण तोगड़िया सोमवार को अपरान्ह में वाराणसी पहुंचे। दशमी सरायनंदन स्थित रामलीला मैदान में परिषद की ओर से प्रयागराज महाकुंभ की तैयारियों को परखने के पूर्व डॉ. तोगड़िया पत्रकारों से भी रूबरू हुए। उन्होंने बताया कि प्रयागराज महाकुंभ में अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद और राष्ट्रीय बजरंग दल शिविर लगाकर गरीब श्रद्धालुओं के लिए कंबल, भोजन आदि की व्यवस्था करेगा। महाकुंभ में एक करोड़ हिंदुओं की मदद करने के लिए हम तैयार हैं। प्रतिदिन आठ से 10 हजार लोगों के भोजन की व्यवस्था भी कराई जा रही है। संभल मामले से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि पुलिस बल देश का प्रतीक होता है और पुलिस पर हमला करने वाला देश का गद्दार। अभी तक तो देश में मंदिरों के नीचे शिवलिंग मिलते थे, अब घरों में भी शिवलिंग ढूंढना पड़ेगा। उन्होंने सनातन धर्म को मानने वालों से कहा कि सभी अपने घर पर हनुमान चालीसा, रामायण का पाठ करें। हिंदुओं का उत्पीड़न करने वाला समाज कभी भी उनका भाई नहीं हो सकता। बांग्लादेश में हिंदुओं पर कट्टरपंथियों के लगातार हमले से जुड़े सवाल पर डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि इजरायल की तरह भारत को भी कार्य करना होगा। वहां अत्याचार को देखते हुए वर्टिकल स्ट्राइक करना चाहिए। जिस तरह आज इजराइल दुनिया भर में यहूदियों पर अत्याचार होने पर हस्तक्षेप कर कड़ी कार्रवाई करता है। इसी तरह भारत सरकार को विश्व के हिंदुओं के अभिभावक की भूमिका निभानी चाहिए। बांग्लादेश में भारत की सेना को खुली छूट देकर सीधी कार्रवाई करनी चाहिए। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बंटेंगे तो कटेंगे नारे पर डॉ. तोगड़िया ने कहा कि योगी के साथ तोगड़िया के भी समान विचार हैं।

पटना के बापू परीक्षा केंद्र पर हुई बीपीएससी की 70वीं प्रारंभिक परीक्षा रद्द

पटना (हिंस)। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) ने 13 दिसम्बर को पटना के बापू परीक्षा केंद्र पर हुई 70वीं प्रारंभिक परीक्षा को रद्द कर दिया है। इसको लेकर जल्द ही परीक्षा की नई तारीख जारी की जाएगी। यह फैसला पटना के जिलाधिकारी की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद लिया गया है। बीपीएससी के चेयरमैन रवि मनु भाई परमार ने सोमवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि यह फैसला बापू परीक्षा केंद्र पर हुए हंगामे के कारण कई अभ्यर्थियों के परीक्षा से वंचित रहने के कारण लिया गया है। हजारों अभ्यर्थी ऐसे थे, जो इस हंगामें में शामिल नहीं होने के बावजूद परीक्षा से वंचित रह गए। इन परीक्षार्थियों की मांग थी कि फिर से परीक्षा आयोजित की जाए। आयोग के चेयरमैन ने बताया कि भले ही बापू एग्जाम सेंटर की परीक्षा रद्द कर दी गई है लेकिन इस परीक्षा का रिजल्ट साथ में ही जारी किया जाएगा। इसलिए छात्रों को घबराने की जरूरत नहीं है। नए डेट की सूचना जल्द ही आयोग के वेबसाइट पर जारी की जाएगी। फैसले की

जानकारी देने से पहले आयोग के अध्यक्ष ने बताया कि 911 केंद्रों पर चार लाख 75 हजार अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा आमतौर पर शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। उन्होंने पूरी परीक्षा के दौरान पेपर लीक की बातों को खारिज करते हुए साफ कहा कि परीक्षा कैंसिल नहीं होगी लेकिन एक केंद्र पर दोबारा परीक्षा ली जाएगी। दोबारा परीक्षा लेकर भी एक साथ ही परिणाम जारी किया जाएगा। परीक्षा कैंसिल करने सवाल पर बीपीएससी अध्यक्ष ने कहा कि बापू परीक्षा परिसर में कुछ उपद्रवी तत्वों ने परीक्षा बाधित करने की कोशिश की। यूपीएससी के नियम अनुसार, यदि किसी कारण से कुछ देर के लिए परीक्षा बाधित हुई है तो उतने देर का अतिरिक्त समय दिया जाए। बापू परीक्षा परिसर के जिस कक्ष में प्रश्न पत्र देर से पहुंचा, वहां अतिरिक्त समय देने की बात थी लेकिन करीब एक बजे से सवा एक बजे तक उपद्रवी तत्वों ने परीक्षा बाधित की। उनका प्रश्न पत्र उड़ा दिया। अफवाह फैलाई। कई बच्चों ने ईमेल के जरिए इसकी शिकायत की। परमार ने बताया कि बीपीएससी को अंत तक यह भी देखने को मिला कि कुछ शरारती तत्व परीक्षा केंद्र के अंदर मोबाइल से वीडियो भी बना रहे थे। वह कैसे मोबाइल लेकर घुसे, यह भी जांच का विषय है। इन सभी के कारण जितने भी अभ्यर्थी परीक्षा नहीं दे पाए, उनके प्रति भी आयोग की सहानुभूति है। उन्होंने कहा कि केंद्राधीक्षक की रिपोर्ट को देखते हुए बापू परीक्षा परिसर की पूरी परीक्षा को रद्द कर दिया है। आयोग जल्द नई परीक्षा की तिथि की घोषणा करेगा।

आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स ने आईपीओ के लिए सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई/नई दिल्ली

आनंद राठी समूह की 'ब्रोकरेज' शाखा आनंद राठी शेयर और स्टॉक ब्रोकर्स लिमिटेड कंपनी ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है।यह समूह इस आईपीओ के जरिए 745 करोड़ रुपये जुटाना चाहता है।

सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के अनुसार आनंद राठी समूह की 'ब्रोकरेज' इकाई आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स कंपनी नए निर्गम से प्राप्त 550 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग दीर्घकालिक कार्यशील पूंजी को आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी। कंपनी के इक्विटी शेयरों को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स का 5 रुपये के अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ पूरी तरह से 745 करोड़ रुपये तक के शेयरों का नया निर्गम है। कंपनी के इस प्रस्ताव में पात्र कर्मचारियों द्वारा सदस्यता के लिए आरक्षण शामिल है। यह इश्यू बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से जारी किया जा रहा है, जिसमें शुद्ध इश्यू का 50 फीसदी से अधिक योग्य संस्थागत खरीदारों को आवंटित नहीं किया जाता है। शुद्ध प्रस्ताव का 15 फीसदी और 35 फीसदी से कम हिस्सा क्रमशः गैर-संस्थागत और खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों को आवंटित नहीं किया जाता है।

आनंद राठी ग्रुप की ब्रोकरेज शाखा, आनंद राठी शेयर और स्टॉक ब्रोकर्स लिमिटेड कंपनी भारत में 30 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ एक स्थापित पूर्ण-सेवा ब्रोकरेज हाउस है। यह आनंद राठी ब्रांड नाम के तहत ब्रोकिंग, मार्जिन ट्रेडिंग और वित्तीय उत्पादों के वितरण सहित वित्तीय सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। कंपनी की निवेश पेशकशों में इक्विटी, डेरिवेटिव, कमोडिटीज और मुद्रा बाजार सहित परिसंपत्ति वर्गों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है।

न्यूज ब्रीफ

जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने 20 गीगावाट उत्पादन क्षमता हासिल की, कंपनी की परिचालन सीएंडआई क्षमता भी 488 मेगावाट है

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने वाणिज्यिक और औद्योगिक बिजली बाजार में कई नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं हासिल की हैं। इससे उसकी कुल उत्पादन क्षमता 20 गीगावाट हो गई है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी के अनुसार कंपनी की अक्षय ऊर्जा वाणिज्यिक तथा औद्योगिक (सीएंडआई) क्षमता 3.1 गीगावाट है, जिसमें 2,654 मेगावाट जेएसडब्ल्यू समूह की निजी क्षमता और 445 मेगावाट तीसरे पक्ष की सीएंडआई क्षमता शामिल है। कंपनी की परिचालन सीएंडआई क्षमता भी 488 मेगावाट है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने डीसीएम श्रीराम लिमिटेड और इंडस टावर्स लिमिटेड के साथ बिजली खरीद समझौते (पीपीए) किए हैं, जो उनकी नवीनतम ऊर्जा समाधानों में मदद करेंगे। एनर्जी कंपनी के संयुक्त प्रबंध निदेशक एवं सीईओ ने इस उपलब्धि को दी बधाई देते हुए कहा कि मुझे यह खुशी है कि कंपनी ने 20 गीगावाट उत्पादन क्षमता हासिल कर ली है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी का लक्ष्य वित्त वर्ष 2024-25 तक 10 गीगावाट परिचालन क्षमता हासिल करना है, जो तापीय, जलविद्युत तथा नवीकरणीय ऊर्जा में फैली हुई है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने समृद्धिपूर्ण साझेदारियों के साथ मिलकर ऊर्जा क्षेत्र में नई ऊर्जा की दौड़ में अपनी भूमिका मजबूत किया है।

लावा जल्द नया हैंडसेट लॉन्च करने की तैयारी में

नई दिल्ली। स्मार्टफोन निर्माता कंपनी लावा जल्द ही एक नया हैंडसेट लॉन्च करने जा रही है। फोन की खास बात यह है कि इसमें डुअल डिस्प्ले का फीचर होगा, जो इसे बाजार में मौजूद दूसरे स्मार्टफोन्स से अलग बनाता है। यह नया स्मार्टफोन लावा ब्लेज डूओ के नाम से बाजार में आएगा। 16 दिसंबर को लावा ब्लेज डूओ को दोपहर 12 बजे लॉन्च किया जाएगा। इसके लिए अमेजन पर माइक्रो साइट लाइव हो चुकी है, जिससे यह साफ है कि यह स्मार्टफोन एक्सक्लूसिव रूप से अमेजन पर बिक्री के लिए उपलब्ध होगा। आइए इस स्मार्टफोन की लॉन्च डेट, फीचर्स और डिजाइन के बारे में डिटेल में जानते हैं। लावा ब्लेज डूओ में 6.67-इंच का 3डी कर्व्ड अमोलेड डिस्प्ले होगा, जो 120एचझेड रिफ्रेश रेट सपोर्ट करेगा। इसके अलावा, स्मार्टफोन के रियर पैनल पर 1.58-इंच का सेकेंडरी अमोलेड डिस्प्ले दिया जाएगा। यह सेकेंडरी डिस्प्ले कैमरे के साथ लगेगा, जो इसे एक प्रीमियम लुक देगा। इसके डिजाइन की तुलना लावा अग्नि 3 से की जा रही है। लावा ब्लेज डूओ को पावर देने के लिए मीडियाटेक डायमेंसिटी 7025 प्रोसेसर मिलेगा। यह प्रोसेसर इसे तेज और पावरफुल परफॉर्मेंस देने में सक्षम बनाएगा। स्मार्टफोन दो वेरिएंट- 6जीबी और 8जीबी रैम के ऑप्शन में आएगा, जिसमें 128जीबी की इंटरनल स्टोरेज मिलेगी। यह डिवाइस एंड्राएड 14 पर बेस्ड यूआई के साथ लॉन्च होगा, जिसे भविष्य में एंड्राएड 15 में अपग्रेड किया जा सकेगा। लावा ब्लेज डूओ को बजट रेंज में लान्च किया जा सकता है। इसकी कीमत के बारे में फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है, लेकिन उम्मीद है कि यह स्मार्टफोन 15,000 रुपये के बजट में लॉन्च हो सकता है।फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए लावा ब्लेज डूओमें 64एमपी का प्राइमरी रियर कैमरा दिया जाएगा। सेल्फी और वीडियो कॉलिंग के लिए इसमें 16 एमपी का फ्रंट कैमरा मिलेगा। डिवाइस को पावर देने के लिए इसमें 5000 एमएएच की बैटरी होगी, जो 33वॉट फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगी। स्मार्टफोन में सुरक्षा का खास ध्यान रखा गया है। इसमें इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर मिलेगा, जिससे डिवाइस को जल्दी और सुरक्षित तरीके से अनलॉक किया जा सकेगा।

स्टरलाइट पावर ने जीईएफ कैपिटल, इनाम होल्डिंग्स से 725 करोड़ जुटाए, यह रकम स्टरलाइट पावर के जीपीएस व्यापार के लिए एक बड़ी उपलब्धि है

नई दिल्ली। स्टरलाइट पावर ने जीईएफ कैपिटल पार्टनर्स और इनाम होल्डिंग्स से 725 करोड़ रुपये जुटाकर पहला वित्तीय पोषण दौर पूरा किया। कंपनी ने बताया कि इस धन का प्रमुख उद्देश्य उत्पादन क्षमताओं को बढ़ाना, नए उत्पाद विकसित करना और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में पहुंचने के लिए रणनीतिक विकास को बढ़ावा देना है। स्टरलाइट पावर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस धन संग्रह को कंपनी के जीपीएस व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह राशि हासिल करना स्टरलाइट पावर के जीपीएस व्यापार के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। कंपनी ने बताया कि यह वित्तीय संकुल के उपयोग से उत्पादन क्षमताओं को मजबूत बनाने और नए उत्पादों का विकसित करने में मदद मिलेगी।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल सांकेतिक बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ कारोबार होता रहा। एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान दबाव बना रहा। डाउ जॉन्स लगातार सातवें दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.02 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 6,050.03 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, नैस्डेक 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,923.52 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 43,831.28 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,300.33 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.15 प्रतिशत फिसल कर 7,409.57 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 20,405.92 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 24,782 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.29 प्रतिशत उछल कर 3,821.42 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा ताईवान वेटेड इंडेक्स 0.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,075.97 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स से 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,395.11 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 39,453.68 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.20 प्रतिशत लुढ़क कर 2,489.45 अंक के स्तर तक गिर गया है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में बड़ी गिरावट आई है। फिलहाल ये सूचकांक 1.05 प्रतिशत टूट कर 7,247.68 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.77 प्रतिशत फिसल कर 1,420.71 अंक के स्तर पर और हैंग सेंग इंडेक्स 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,876.54 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोने चांदी की कीमत घटी

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोने के भाव में गिरावट आने से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 78,030 रुपये से लेकर 77,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,540 रुपये से लेकर 71,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत गिर कर 92,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 78,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,880 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 78,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,930 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 78,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना सस्ता हुआ है।

बिटकॉइन ने बनाया नया रिकॉर्ड, पहली बार 106,000 डॉलर के पार, गूगल को पछाड़ने में केवल 10 फीसदी दूर

मुंबई

बिटकॉइन की तेजी से बढ़ती कीमतों ने विश्व के ध्यान को आकर्षित किया है, जिसका परिणाम यह हुआ कि यह सबसे पुरानी और सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बन गई है। वर्तमान में बिटकॉइन की कीमत ने 1,06,000 डॉलर का पार कर दिया है, जो भारतीय करेंसी के हिसाब से लगभग 90 लाख रुपए के बराबर है।

इसके साथ ही बिटकॉइन का मार्केट कैप अब 2.1 ट्रिलियन डॉलर हो गया है, जो गूगल को पछाड़ने में केवल 10 फीसदी की दूरी बची है। विशेषज्ञों का मानना है कि नए साल में बिटकॉइन की कीमत और बढ़ सकती है और 2025 तक 2,00,000 डॉलर तक पहुंच सकती है। इसके साथ ही डोनाल्ड ट्रंप का एक बयान भी बिटकॉइन की कीमतों में तेजी का कारण बन गया है।

ट्रंप ने बिटकॉइन को ऑयल रिजर्व की तरह देश में एक रिजर्व के रूप में बचाने की योजना बनाई है। इसके अतिरिक्त अन्य क्रिप्टोकरेंसीज की कीमतें भी बढ़ी हैं, जैसे कि ईथेरियम ने

करीब 3 फीसदी की तेजी के साथ 4,014 डॉलर पर पहुंच गई है। उच्च मान्यता वाले विशेषज्ञ का मानना है कि 2025 तक बिटकॉइन की कीमत 200,000 डॉलर तक पहुंच सकती है। इस धरातल पर 5 दिसंबर को बिटकॉइन की कीमत पहली बार 100,000 डॉलर के पार पहुंची थी। सार्थक निर्णय और सबसे नवाचारी समयों में क्रिप्टोकरेंसी बाजार अपने विकास की ओर बढ़ रहा है, जिससे न तो सिर्फ एक संकेतिक मूल्यांकन होगा बल्कि यह एक अत्यधिक उत्साही नया पूल भी तैयार करेगा।

थोक महंगाई दर नवंबर महीने में घटकर 1.89 फीसदी पर आई

नई दिल्ली

खुदरा के बाद थोक महंगाई दर में गिरावट आई है। सब्जियों और खाने-पीने के चीजों के दाम घटने से थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर नवंबर माह में घटकर 1.89 फीसदी पर आ गई है। इससे पिछले महीने अक्टूबर में यह 2.36 फीसदी थी। सितंबर में थोक महंगाई दर 1.84 फीसदी पर थी। पिछले वर्ष नवंबर में थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित थोक महंगाई दर 0.39 फीसदी थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया कि नवंबर में खाद्य वस्तुओं की महंगाई घटकर 8.29 फीसदी पर आ गई है, जबकि अक्टूबर में यह 11.59 फीसदी थी। इसकी वजह सब्जियों की कीमतों में गिरावट रही, जो अक्टूबर में 63.04 फीसदी के मुकाबले नवंबर में घटकर 28.57 फीसदी पर आ गई है।मंत्रालय के मुताबिक प्याज की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज हुई है, जिससे नवंबर के दौरान 2.85 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। इसी तरह फ्यूल और बिजली में भी नवंबर में 5.83 फीसदी की गिरावट देखी गई, जबकि अक्टूबर में यह 5.79 फीसदी पर थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बताया कि मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की कैटेगिरी में

महंगाई नवंबर महीने में बढ़कर 2 फीसदी हो गई है, जो अक्टूबर महीने में 1.50 फीसदी थी। हालांकि, आलू की महंगाई 82.79 फीसदी के उच्चतम स्तर पर बनी रही। नवंबर माह में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर 5.48 फीसदी पर थी।

धनलक्ष्मी क्रॉप की स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री, पहले दिन ही डबल हुए निवेशकों के पैसे

नई दिल्ली

चना, कपास और गेहूं जैसी कई फसलों की हाई क्वालिटी बीज तैयार करने वाली कंपनी धनलक्ष्मी क्रॉप साइंस के शेयरों ने स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 55 रुपये के भाव पर जारी हुए थे। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 104.50 रुपये के स्तर पर हुई।

लिस्टिंग के तुरंत बाद खरीदारी के सपोर्ट से कंपनी के शेयर 109.70 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन ही कंपनी के आईपीओ

निवेशकों का पैसा लगभग डबल हो गया।

धनलक्ष्मी क्रॉप साइंस का 23.80 करोड़ रुपये का आईपीओ 9 से 11 दिसंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिससे ये ओवरऑल 555.83 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन में 197.65 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन 1,241.27 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 441.18 गुना सब्सक्रिप्शन आया था।

आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 43.28 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरत को पूरा करने के साथ ही आम कॉर्पोरेट जरूरत को पूरा करने और इश्यू से जुड़े खर्चों को पूरा करने में करेगी।

धनलक्ष्मी क्रॉप साइंस 2005 से ही चना, कपास, गेहूं जैसी 24 अलग अलग फसलों और सब्जियों के लिए हाई क्वालिटी बीज तैयार करती है। कंपनी का कारोबार देश के पांच राज्यों में फैला हुआ है। कंपनी की वित्तीय सेहत की बात करें तो 2021-22 में इसे 58.28 लाख रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ था, जो अगले वर्ष 2022-23 में उछल कर 3 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया, जबकि 2023-24 में कंपनी का मुनाफा 4.65 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान कंपनी का रेवेन्यू सालाना 34 प्रतिशत की चक्रवृद्धि दर से बढ़ कर 63.75 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से सितंबर के बीच की पहली छमाही में कंपनी को 8.21 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ और 119.96 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल हो चुका था।

अंडर-17 अफ्रीका कप ऑफ नेशंस क्वालीफायर : मेजबान युगांडा ने तंजानिया के साथ ड्रा खेला

कंपाला

मेजबान युगांडा ने रविवार को सीईसीएएफए जोन के लिए टोटलएनर्जीज अंडर-17 अफ्रीका कप ऑफ नेशंस (एएफसीओएन) फुटबॉल टूर्नामेंट क्वालीफायर के ग्रुप ए के अपने पहले मैच में तंजानिया के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला।

तंजानिया ने मैच की शुरुआत मजबूत टीम के रूप में की और 19वें मिनट में कंपाला के नकीवुबो हम्ज़ा स्टेडियम में सालेह एले के गोल के ज़रिए बढ़त हासिल कर ली।

इसके बाद मैच के 58वें मिनट में युगांडा ने इसिमा मगाला के ज़रिए गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। घरेलू टीम ने गोल करने के बाद गति पकड़ी और लगातार हमले किए, जबकि तंजानियाई टीम ने रक्षा में मज़बूती से काम किया।

मगाला के पास युगांडा के लिए मैच जीतने का आखिरी मिनट का मौका था, लेकिन उनका शॉट लक्ष्य से चूक गया।

मैच के बाद तंजानिया के कोच एग्री मोरिस एम्ब्रोस ने कहा कि युगांडा की मजबूत टीम के खिलाफ ड्रॉ खेलना अच्छी शुरुआत थी।

पूर्व तंजानियाई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ने कहा, हमने अच्छी शुरुआत की, लेकिन युगांडा ने दूसरे हाफ में बेहतर प्रदर्शन किया।

उनके समकक्ष सेन्योंडो ने कहा कि पहले मैच में ड्रॉ खेलने के बाद युगांडा के पास सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए अपने आखिरी ग्रुप मैच में केन्या को हराने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा।

दक्षिण सूडान, जिसने पहले मैच में सोमालिया को 3-0 से हराया था, अब ग्रुप बी में शीर्ष पर है, जबकि तंजानिया और युगांडा के पास ग्रुप ए में एक-एक अंक है।

बुधवार को तंजानिया का सामना केन्या से ग्रुप ए में होगा, जबकि दक्षिण सूडान का सामना ग्रुप बी के मैच में सूडान से होगा। सर्वश्रेष्ठ दो टीमें अगले साल कोट डी आइवर में होने वाले अंडर-17 एएफसीओएन के लिए क्वालीफाई करेंगी।

न्यूज़ ब्रीफ

बुमराह पर नस्लीय टिप्पणी के कारण विवादों में आई पूर्व महिला क्रिकेटर ईशा

गाबा। इंग्लैंड की पूर्व महिला क्रिकेटर ईशा गुहा भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर नस्लीय टिप्पणी करने के कारण विवादों में आ गयीं हैं। ईशा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन कमेंट्री के दौरान बुमराह को सबसे मूल्यवान प्राइमेट बोल दिया। ईशा की इस टिप्पणी से इसलिए विवाद शुरू हो गया क्योंकि प्राइमेट शब्द अक्सर मनुष्य-सदृश जानवर के लिए इस्तेमाल किया जाता है। फैंस को यह बात बिल्कुल पसंद नहीं आई है और प्रशंसकों ने इस पर कड़ी नाराजगी जतायी है। यह घटना तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गई और कई प्रशंसकों ने इसकी तुलना साल 2008 के कुख्यात मंकीगेट घोटाले की तुलना की, जहां हरभजन सिंह को दिवंगत एंड्रयू साइमंड्स ने कथित तौर पर बंदर कहा दिया था। इस बीच, गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने माना कि भारतीय गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड को रोकने में विफल रहे। हेड और स्टीव स्मिथ दोनों ने टीम इंडिया के खिलाफ शतक लगाए जिससे ऑस्ट्रेलिया दूसरे दिन 400 से ज्यादा ऊपर पहुंच गयी। मोर्कल ने कहा कि सुबह के सत्र में तीन विकेट लेने के बाद भारतीय गेंदबाज लय बरकरार नहीं रख सके। उन्होंने कहा कि आज सुबह गेंद के साथ सबसे पहले, हम बहुत अच्छे थे, 70 रन पर 3 विकेट, लेकिन दो विश्व स्तरीय खिलाड़ी शानदार रहे।

स्मृति और जेमिमा की शानदार बल्लेबाजी से भारतीय टीम ने पहले टी20 में वेस्टंडीज को हराया

मुम्बई । स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स की शानदार बल्लेबाजी से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने

यहां वेस्टंडीज को पहले टी20 मुकाबले में 49 रनों से हरा दिया। भारतीय टीम ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मंधाना के 53 और जेमिमा के 73 रनों की सहायता से 4 विकेट पर ही 195 रन बनाये। वेस्टंडीज की ओर से करिश्मा ने 18 रन देकर 2 विकेट लिए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टंडीज टीम 146 रन ही बना पाई। वेस्टंडीज की ओर से जोसेफ और डॉटिंन ने अच्छा प्रदर्शन किया पर वह अपनी टीम को जीत दिलाने में विफल रहीं। भारतीय टीम की ओर से तितास साधु ने 37 रन देकर 3 विकेट लिए। इस मैच में मंधाना ने उमा छेत्री के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 50 रन बनाये। उमा ने 24 रन बनाये। वहीं मंधाना ने 33 गेंदों पर 7 चौके और 2 छक्के लगाकर 54 रन बनाए। वहीं जेमिमा ने 35 गेंदों पर 9 चौके और 2 छक्के लगाकर सबसे अधिक 73 रनों की पारी खेली। इसके अलावा ऋचा घोष ने 20 जबकि कप्तान हरमनप्रीत ने 13 रन बनाये। लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की हेले मैथ्यूज केवल 1 रन बनाकर पेवेलियन लौट गईं। इस दौरान कियाना जोसेफ ने डींड्रा डॉटिन के साथ मिलकर स्कोर आगे बढ़ाया। जोसेफ ने 33 गेंदों पर 3 छक्कों की मदद से 49 रन बनाए तो वहीं, डॉटिंन ने 28 गेंदों पर 4 चौके और 3 छक्कों की मदद से 52 रन बनाए। जोसेफ और डॉटिंन के विकेट गिरते ही वेस्टइंडीज टीम की पारी ढ़ह गयी। मध्यक्रम में केवल शबिका 15 ही रन बना पाई और स्कोर 20 ओवर में 146 तक ही पहुंच पाया। भारत की ओर से तितास ने 37 रन देकर 3 विकेट जबकि दीप्ति शर्मा और राधा यादव ने 2-2 विकेट लिए।

सुमित शर्मा ने की धुआंधार बल्लेबाजी लाइफ केयर ने जीता मैच

लखनऊ। बी.बी. गुप्ता मेमोरियल ट्राफी के लीग मैच में लाइफ केयर क्रिकेट क्लब ने दयानंद यंग मेंस एसोसिएशन को छह विकेट से मात दे दी। इस मैच में लाइफ केयर के बल्लेबाज सुमित शर्मा ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए 57 रन बनाये। दयानंद यंग ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 133 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज इशान गुप्ता मात्र आठ रन बनाकर आउट हो गये। वहीं विदित जोशी ने अपनी टीम में सर्वाधिक दो चौका और दो छक्का की मदद से 51 रन बनाये। लक्ष्य तिवारी ने 21 रन का योगदान दिया। वहीं अभिजय सिंह ने 18 रन बनाये। वहीं लाइफ केयर ने चार विकेट गंवाकर 134 रन बना लिये और मैच को छह विकेट से जीत लिया। सलामी बल्लेबाज सुमित शर्मा ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए आठ चौके और एक छक्के की मदद से 56 बाल पर 57 रन बनाये।

ब्रिसबेन टेस्ट तीसरा दिन

बारिश की लुका-छिपी के बीच भारत की खराब शुरुआत, 51 रन पर खोए चार विकेट

ब्रिसबेन

यहां गाबा के मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेले जा रहे तीसरे मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म होने पर भारत ने केवल 51 रन पर चार विकेट खो दिये हैं केएल राहुल 33 और कप्तान रोहित शर्मा बिना खाता खोले नाबाद हैं। इससे पहले आज ऑसेट्रेलिया की पहली पारी 445 रनों पर समाप्त हुई।

बारिश के व्यवधान के बीच भारत की पहली पारी की शुरूआत खराब रही और मिचेल स्टॉर्क ने पारी की दूसरी ही गेंद पर यशस्वी जायसवाल (04) चलता कर भारत को पहला झटका दिया। शुभमन गिल भी कुछ खास नहीं कर सके और केवल 1 रन बनाकर चलते स्टॉर्क का दूसरा शिकार बने। विराट कोहली एक बार फिर असफल रहे और केवल 3 रन बनाकर हेजलवुड का शिकार बने। हालांकि इसके बाद बारिश शुरु हो गई और लंच की घोषणा हो गई। लंच के बाद जब मैच शुरु हुआ तो पंत और राहुल ने भारत की पारी को आगे बढ़ाया। हालांकि इसके बाद फिर बारिश शुरु हो गई। बारिश जब रूकी तो पंत (09) के रुप में भारत को चौथा झटका लगा। पंत के आउट होने के बाद बारिश शुरु हो गई और चायकाल की घोषणा हो गई। बारिश रूकने के बाद मैच केवल 4 ओवर को ही हो सका और फिर बारिश शुरु हो गई, जिसके बाद दिन के खेल को समाप्त घोषित कर दिया गया। खेल की समाप्ति पर भारत ने 4 विकेट पर 51 रन बना लिए हैं। केएल राहुल 33 और रोहित बिना खाता खोले नाबाद हैं। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टॉर्क ने 2, जोश हेजलवुड और कप्तान पैट कमिंस ने 1-1 विकेट लिया। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए 445 रन, हेड और स्मिथ का शतक इससे पहले ट्रैविस हेड और स्टीव स्मिथ के शतकों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने यहां गाबा के मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच में अपनी पहला पारी में 445 रन बनाए। हेड ने 152 और स्मिथ ने 101 रनों की बेहतरीन शतकीय पारी खेली। इन दोनों के अलावा एलेक्स कैरी ने अरधशतक लगाते हुए 70 रन बनाए। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने 6, मोहम्मद सिराज ने दो और आकाशदीप, नीतीश रेड्डी ने 1-1 विकेट लिए।

राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में प्रतिस्पर्धा करने वाले शीर्ष तीरंदाजों में दीपिका, अंकिता भक्त, धीरज शामिल

जमशेदपुर। व्यस्त 2025 कैलेंडर से पहले दीपिका कुमारी, अंकिता भक्त, बी धीरज, अभिषेक वर्मा और अदिति स्वामी सहित देश के शीर्ष तीरंदाज सोमवार से यहां शहर के मध्य स्थित गोपाल मैदान में शुरू होने वाली साल की अंतिम राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप में खुद को परखेंगे। सबसे उल्लेखनीय अनुपस्थिति प्रतिष्ठित कंपाउंड तीरंदाज वी. ज्योति सुरेखा की होगी, क्योंकि एथलीट और उनकी राज्य इकाई, आंध्र प्रदेश तीरंदाजी संघ के बीच मतभेद हैं। ओलंपिक में एक और निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, दीपिका ने अक्टूबर में मैक्सिको के त्लाक्सकाला में विश्व कप फाइनल में रजत पदक हासिल करके कुछ सम्मान हासिल किया और वह साल का समापन अच्छे नोट पर करना चाहेंगी। धीरज, जिन्होंने अंकिता के साथ मिलकर पेरिस ओलंपिक की मिश्रित टीम स्पर्धा में चौथा स्थान हासिल किया था, के लिए राष्ट्रीय स्पर्धा अगले ओलंपिक के लिए उनकी तैयारियों की शुरुआत है। तीरंदाजों का पहला लक्ष्य, जिनमें से कुछ ने हाल ही में विदेशों में इनडोर स्पर्धाओं में भाग लिया है, अगले महीने उत्तराखंड में होने वाले राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने के लिए पात्र होने के लिए अच्छी रैंकिंग प्राप्त करना होगा। इसके बाद विश्व चैंपियनशिप, विश्व खेल, एशियाई चैंपियनशिप और विश्व कप सहित कई अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं से भरा कैलेंडर है।

बीसीसीआई ने विजय हजारे ट्रॉफी खेलने तीन खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया दौरे से वापस बुलाया

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया गये तीन खिलाड़ियों को वापस बुलाया है। बीसीसीआई ने रिजर्व खिलाड़ियों के तौर पर भेजे गये तेज गेंदबाजों मुकेश कुमार, यश दयाल और नवदीप सैनी को जरुरत नहीं होने के कारण वापसी बुलाया है। इन तीनों तेज गेंदबाज को पहले तीन टेस्ट मैचों में एक बार भी खेलने का अवसर नहीं मिला है।

तीनों गेंदबाजों को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बचे हुए दो टेस्ट मैचों में भी अवसर मिलना मुश्किल था। ऐसे में भारतीय बोर्ड ने इस गेंदबाजों को रिलीज करने का फैसला किया। बोर्ड ने इन तीनों को इसलिए पहले रिलीज किया जिससे वे भारत लौटकर विजय हजारे ट्रॉफी से पहले अभ्यास कर सकें। मुकेश कुमार को बंगाल की टीम ने शामिल किया है।

मुकेश, नवदीप और यश के टीम इंडिया से रिलीज होने के बाद भी भारतीय टीम के पास 5 बतौर तेज गेंदबाज रहेंगे। इनमें जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, आकाशदीप, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा शामिल हैं। मुकेश और नवदीप शुरूआत से ही भारतीय टीम के साथ थे। दोनों इंडिया ए के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी गए थे। मुकेश ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दोनों टेस्ट खेले खेलकर 11 विकेट लिए थे।

नवदीप को केवल एक अभ्यास मैच में खेलने का अवसर मिला। वहीं यश दयाल को खलील अहमद की जगह टीम से जोड़ा गया था। खलील अहमद बिना खेले चोटिल होकर ऑस्ट्रेलिया से लौट आए थे। यश विजय हजारे ट्रॉफी के लिए उत्तर प्रदेश टीम में शामिल होंगे वहीं मुकेश बंगाल जबकि सैनी दिल्ली की ओर से विजय हजारे ट्रॉफी में खेलेंगे।

विश्व एक्रेटिक तैराकी

ग्लासगो में स्कॉटिश लीग कप फुटबॉल में जीत के बाद सेल्टिक के कैलम मैकगेगर और उनके साथी खिलाड़ी ट्रॉफी उठाये हुए।

शाकिब को सभी शीर्ष स्तरीय क्रिकेट, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मैचों में गेंदबाजी से किया गया निलंबित

नई दिल्ली

शाकिब अल हसन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा अनुमोदित राष्ट्रीय महासंघों द्वारा संचालित सभी प्रतियोगिताओं में गेंदबाजी करने से निलंबित कर दिया गया है, चाहे वह घरेलू हो या अंतरराष्ट्रीय। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने रविवार को एक बयान में उक्त जानकारी दी। शाकिब को इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने अवैध गेंदबाजी एक्शन के लिए गेंदबाजी करने से निलंबित कर दिया था, और बीसीबी ने कहा कि यह अगला कदम है। बोर्ड ने यह भी कहा कि शाकिब जल्द ही अपने गेंदबाजी एक्शन को मंजूरी दिलाने और निलंबन हटाने के प्रयास में एक मान्यता प्राप्त परीक्षण केंद्र में पुनर्मूल्यांकन के लिए उपस्थित होंगे। सितंबर में इंग्लिश काउंटी क्रिकेट मैच के दौरान संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के लिए रिपोर्ट किए जाने के बाद, शाकिब इस महीने की शुरुआत में यूके में आईसीसी द्वारा मान्यता प्राप्त परीक्षण केंद्र, लॉफबोरो विश्वविद्यालय में अपने गेंदबाजी एक्शन के स्वतंत्र मूल्यांकन में विफल रहे। इसके बाद ईसीबी ने कार्रवाई की और, अवैध गेंदबाजी

एक्शन के लिए आईसीसी के नियमों के खंड 11.3 के अनुसार, जब कोई राष्ट्रीय महासंघ किसी खिलाड़ी को अपनी घरेलू प्रतियोगिताओं में गेंदबाजी करने से निलंबित करता है, तो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आईसीसी द्वारा निलंबन को स्वचालित रूप से मान्यता दी जाती है और सभी राष्ट्रीय क्रिकेट महासंघों द्वारा उनकी संबंधित घरेलू प्रतियोगिताओं में लागू किया जाता है। यह आधिकारिक सूचना प्राप्त होने पर बिना किसी और औपचारिकता की आवश्यकता के तुरंत लागू होता है। बीसीबी के बयान में कहा गया है, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को सूचित किया गया है कि राष्ट्रीय टीम के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन को इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के अधिकार क्षेत्र के तहत प्रतियोगिताओं में गेंदबाजी करने से निलंबित कर दिया गया है। परिणामस्वरूप, शाकिब को बांग्लादेश के बाहर घरेलू क्रिकेट प्रतियोगिताओं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गेंदबाजी करने से भी निलंबित कर दिया गया है। यदि इस [पुनर्मूल्यांकन] विश्लेषण के परिणाम उनके एक्शन को स्पष्ट कर देते हैं, तो शाकिब को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और सभी राष्ट्रीय क्रिकेट महासंघों के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली घरेलू क्रिकेट प्रतियोगिताओं में गेंदबाजी करने की अनुमति दी जाएगी। अभी के लिए शाकिब घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों में बल्लेबाज के रूप में खेल सकते हैं। शाकिब अभी भी वनडे में सक्रिय खिलाड़ी हैं, लेकिन पिछले चार हफ़्तों में उन्हें अफ़गानिस्तान और वेस्टइंडीज़ सीरीज़ के लिए नहीं चुना गया। वह वर्तमान में लंका टी10 प्रतियोगिता में खेल रहे हैं। शाकिब ने गॉल मार्वल्स के लिए पिछले दो मैचों में गेंदबाजी नहीं की, जिसमें रविवार शाम को खेला गया मैच भी शामिल है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए राशिद खान की अफगानिस्तान टेस्ट टीम में वापसी

काबुल

अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान तीन साल से ज़्यादा समय बाद अपना पहला टेस्ट मैच खेलने के लिए तैयार हैं। उन्हें जिम्बाब्वे में होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज़ के लिए टीम में शामिल किया गया है।

राशिद ने इससे पहले कमर में चोट के कारण मेडिकल सलाह पर लंबे फ़ॉर्मेट से ब्रेक लिया था। राशिद ने अपना आखिरी टेस्ट भी जिम्बाब्वे के खिलाफ मार्च 2021 में अबू धाबी में खेला था।

टीम में ऑलराउंडर इस्मत आलम, बाएं हाथ के स्पिनर जहीर शहजाद और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बशीर अहमद अफगान सहित सात अनकैप्ड खिलाड़ी शामिल हैं। तीनों को उनके मजबूत घरेलू प्रदर्शन का इनाम मिला है और वे अजमतुल्लाह उमरजई, फरीद अहमद, रियाज हसन और सेदिकुल्लाह अटल के साथ जुड़ेंगे, जिन्होंने अभी तक टेस्ट क्रिकेट में अफगानिस्तान का प्रतिनिधित्व नहीं किया है। हालांकि, उमरजई,

फरीद और रियाज सभी न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए टीम का हिस्सा थे, जो इस साल की शुरुआत में सितंबर में एक भी गेंद फेंके बिना धुल गया था।

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) के अंतरिम मुख्य चयनकर्ता अहमद शाह सुलेमानखिल ने एक बयान में कहा, राशिद खान की टेस्ट टीम में वापसी हुई है, जो हमारे लाल गेंद के खेल के लिए एक आशाजनक संकेत है। बाकी टीम ने हाल ही में नांगरहार प्रांत में अच्छी तैयारी की, जिसमें 19 खिलाड़ी और सभी सहायक कर्मचारी शामिल थे, जिन्होंने खिलाड़ियों के साथ काम किया और श्रृंखला के लिए पूरी तैयारी सुनिश्चित की। हमने पूरी तरह से कार्यवाही की निगरानी की है और टीम का चयन किया है, जिसमें इस्मत आलम, बशीर अहमद और जहीर शहजाद सहित कई नए चेहरे शामिल हैं, जिन्होंने हाल ही में अहमद शाह अब्दाली प्रथम श्रेणी टूर्नामेंट के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया है।

इस बीच, नासिर जमाल, जिया उर रहमान और मोहम्मद इब्राहिम रिजर्व खिलाड़ियों के रूप में समूह का हिस्सा होंगे।

अफगानिस्तान के मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट, जो टीम के जिम्बाब्वे दौरे के वनडे चरण के प्रभारी थे, ने व्यक्तिगत कारणों से इस दौरे के अन्य प्रारूपों के लिए खुद को अनुपलब्ध कर लिया है। ट्रॉट की अनुपस्थिति में हामिद हसन मुख्य कोच और नवरोज मंगल सहायक कोच के रूप में काम करेंगे। हशमतुल्लाह शाहिदी टीम का नेतृत्व करना जारी रखेंगे, जबकि रहमत शाह उनके डिप्टी होंगे।

बुलावायो दोनों टेस्ट मैचों की मेजबानी करेगा, यह श्रृंखला 26 दिसंबर से 6 जनवरी तक चलेगी।

अफगानिस्तान की टेस्ट टीम इस प्रकार है-

हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमत शाह (उप-कप्तान), इकराम अलीखाइल (विकेटकीपर), अफसर जजई (विकेटकीपर), रियाज हसन, सेदिकुल्लाह अटल, अब्दुल मलिक, बहिर शाह, इस्मत आलम, अजमतुल्लाह उमरजई, जहीर खान, जिया उर रहमान , ज़हीर शहजाद, राशिद खान, यामीन अहमदजई, बशीर अहमद, नवीद जादरान, फरीद अहमद।

आरओ का पानी खतरनाक...

हमें कुछ मिले या न मिले पर शरीर को पानी जरूर मिलना चाहिए। अगर पानी आरओ का हो तो, क्या बात है, लेकिन क्या वास्तव में हम आरओ के पानी को शुद्ध पानी मान सकते हैं? जवाब आता है बिल्कुल नहीं। यह जवाब विश्व स्वास्थ्य संगठन की तरफ से दिया गया है। डब्ल्यूएचओ ने बताया है कि आरओ के पानी के लगातार सेवन से हृदय संबंधी विकार, थकान, कमजोरी, मांसपेशियों में ऐंठन, सिरदर्द आदि दुष्प्रभाव पाए गए हैं। यह कई शोधों के बाद पता चला है कि इसकी वजह से कैल्शियम और मैग्नीशियम पानी से पूरी तरह नष्ट हो जाते हैं जो कि शारीरिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। वैज्ञानिकों के अनुसार मानव शरीर 500 टीडीएस तक सहन करने की क्षमता रखता है परंतु आरओ में 18 से 25 टीडीएस तक पानी की शुद्धता होती है जो कि नुकसानदायक है। इसके विकल्प में क्लोरीन को रखा जा सकता है जिसमें लागत भी कम होती है एवं पानी के आवश्यक तत्व भी सुरक्षित रहते हैं। जिससे मानव का शारीरिक विकास अवरूद्ध नहीं होता। जहां एक तरफ एशिया और यूरोप के कई देश आरओ पर प्रतिबंध लगा चुके हैं वहीं भारत में आरओ की मांग लगातार बढ़ती जा रही है और कई विदेशी कंपनियों ने यहां पर अपना बड़ा बाजार बना लिया है। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना और जागरूक करना जरूरी हैं। अत: अब शुद्ध पानी के लिए नए अविष्कारों की जरूरत है। याद रखें की लंबे समय तक आरओ का पानी लगातार पीने से शरीर कमजोर और बीमारीयों का घर बन जाता है। अत: प्राकृतिक यानी खनीज युक्त पानी परंपरागत तरीकों से साफ कर पीना हितकर है।

ऑनलाइन पेमेंट और भी आसान...

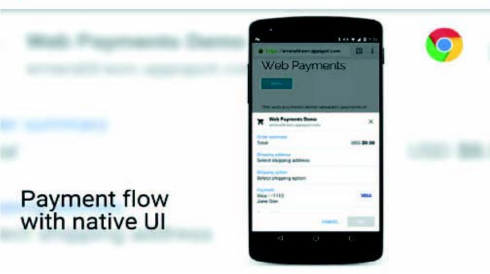

गूगल ने क्रोम का लेटेस्ट वर्जन रिलीज किया है, जिसका सबसे खास फीचर गूगल पे है और साथ ही परफॉरमैंस में सुधार हुआ है। क्रोम में गूगल पे फीचर एड करने से कंपनी ज्यादा से ज्यादा लोगों को यह सुविधा प्रदान करवाना चाहती है। गूगल ने वैब स्टैंडड्ज पर पेमैंट्स को आसान बनाने के लिए एंड्रायड पे को क्रोम में एड किया है। फिलहाल आई.ओ.एस. डिवाइसेस में इस फीचर के आने की कोई जानकारी नहीं है। एंड्रॉयड यूजर्स कुछ ही समय में ऑनलाइन पेमेंटस को संभव कर सकता है। गूगल ने अपने ब्लॉग में यह भी लिखा कि एंड्रॉयड के लिए क्रोम का नया वर्जन 15 प्रतिशत तेज होगा। नए अपडेट से क्रोम ज्यादा बैटरी की बचत भी करेगा। गूगल प्ले स्टोर पर गूगल क्रोम की अपडेट को फ्री में डाउनलोड किया जा सकता है।

नया ब्लूटूथ स्मार्ट बल्ब...

घर को आकर्षक और सुंदर बनाने में सबसे ज्यादा लाइटनिंग का यूज होता है। इस बात पर ध्यान देते हुए एसएमएफएक्स कंपनी ने नया ब्लूटूथ स्मार्ट बल्ब विकसित किया है जो 16 मिलियन रंगों से आपके ऑफ हुए मूड को भी पूरी तरह से बदल देगा। यह स्मार्ट बल्ब मौजूदा सॉकेट से आसानी से चलाया जा सकता है। साधारण बल्ब से 10 प्रतिशत ज्यादा एनर्जी सेविंग होने के साथ-साथ यह 40,000 घंटों की लाइफ भी देगा। इसमें आप लाइट्स को समय-समय पर शेड्यूल कर सकते हैं और एप की मदद से कंट्रोल भी कर सकते हैं। उम्मीद की जा रही है कि आने वाले समय में इसे करीब 2664 रुपए कीमत में बिक्री के लिए उपलब्ध किया जाएगा।

कम समय में चार्ज होगी नई बैटरी...

निजी क्षेत्र की ग्रीनविजन टैक्नालॉजीज ने पर्यावरण अनुकूल उपकरणों को बढ़ावा देते हुए कम समय में चार्ज होने वाली और रखरखाव में आसान 'जेल प्रौद्योगिकी' आधारित बैटरी विकसित की है जो कि ई-रिक्शा के लिए उपयोगी साबित होगी। दावा है कि एक तरफ जहां यह बैटरी जल्दी चार्ज होती है वहीं दूसरी तरफ इसका रख-रखाव काफी आसान है क्योंकि इसमें पानी यानी डीएम वाटर डालने की आवश्यकता नहीं है। जेल तकनीक आधारित इस बैटरी का नाम 'वायेजर' रखा गया है। सामान्य बैटरी के मुकाबले इनका वजन हल्का और आकार छोटा है। इसे 6 घंटे में पूरी तरह चार्ज किया जा सकता है जबकि अन्य बैटरियों को चार्ज करने में 8 घंटे का समय लगता है। इसके लिए विशेष तौर पर तैयार चार्जर भी बनाया गया है जिससे इन बैटरी की उम्र और भी बढ़ जाती है। बार-बार चार्ज कर इसका 40,000 किलोमीटर तक उपयोग किया जा सकता है।

भविष्य में आपके घर में टेबल पर मौजूद सजावटी सामग्रियों के बीच आपकी 'शेपीज' यानी आपकी शेप का पुतला हो सकता है। सेल्फी को स्मार्टफोन में ही देख सकते हैं। लेकिन, अब 3डी सेल्फी का जमाना आने वाला है। इस थ्रीडी सेल्फी को आप एक छोटे पुतले की भांति अपने साथ रख सकते हैं।

अब बनवाएं अपना 3डी पुतला...

सेल्फी का क्रेज अभी कम भी नहीं हुआ है कि तेजी से नए आयाम लेती तकनीक की दुनिया में फोटोग्राफी के लिए एक नये फॉर्मेट का चलन शुरू हो गया है। डिजिटल कैमरा और स्मार्टफोन ने फोटोग्राफी की दुनिया को ऐसे बदला कि फोटो स्टूडियो का क्रेज कम हो गया। अब 3डी प्रिंटर तकनीक इसमें नया बदलाव ला रही है। आने वाले समय में लोगों का रुझान ऐसे स्टूडियो की ओर बढ़ सकता है, जहां वे छोटे आकार के खुद के 3डी पुतले बनवा सकते हैं। सेल्फी खींचने और उसे डिजिटल फॉर्मेट में सुरक्षित रखने का मौजूदा ट्रेंड निकट जल्द ही बदल सकता है। दक्षिण कोरिया अब फोटोग्राफी को सेल्फी और डिजिटल प्रारूप में सुरक्षित रखने से आगे 3डी प्रिंटिंग के दौर में ले जा रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सियोल में कई थ्रीडी फोटो स्टूडियो खुल चुके हैं, जहां एक छोटे पुतले के रूप में आप अपनी या बच्चों की 3डी प्रिंटिंग हासिल कर सकते हैं। फिलहाल इसकी कीमत ज्यादा है, इसलिए पैसे वाले लोग ही यहां पहुंचते हैं, लेकिन भविष्य में इसकी कीमत कम होने पर यह आम लोगों की पहुंच से बाहर नहीं रहेगा।

एक साथ 100 कैमरे

अपना 3डी पुतला बनवाने की चाहत रखने वाले इन स्टूडियो में बीच में बने एक प्लेटफॉर्म पर खड़े होते हैं, जिसके चारों ओर करीब 100 कैमरे लगे हैं। ये सभी कैमरे अनेक एंगल से एक साथ आपकी 2डी तस्वीर खींचते हैं, जिन्हें सियोल की एक खास फैक्टरी में भेजा जाता है। इस फैक्टरी में 3डी प्रिंटर के लिए बनाए गए खास कंप्यूटर प्रोग्राम्स के दिशा-निर्देशों के तहत इसे ट्रांसफॉर्म किया जाता है ।

हजार लेयर में इमेज

ट्रांसफॉर्म के बाद 3डी प्रिंटर जिप्सम पाउडर की करीब 1,000 लेयर में आपकी उस इमेज को गढ़ता है, 2डी तस्वीरें लेते वक्त इसमें वह उन सभी छोटी-से-छोटी चीजों को शामिल करता है, ताकि वह बिल्कुल असली की तरह दिखे। हालांकि, इस फिगर यानी पुतले का आकार बहुत छोटा होता है ।

99 डॉलर में पांच सेमी

इस तरह बनाए जानेवाले 3डी पुतलों की कीमत 99 डॉलर से 299 डॉलर तक है। सबसे छोटा आकार पांच सेंटीमीटर है, जिसकी कीमत 99 डॉलर है, जबकि सबसे 30 सेंटीमीटर आकार के पुतले की कीमत 299 डॉलर है। एक रिपोर्ट में एशियाई देशों में फिलहाल इस नई तकनीक को दक्षिण कोरिया तक ही सीमित बताया गया है, लेकिन जल्द ही पूरी दुनिया में इसके प्रसार की उम्मीद जताई गई है। हालांकि, कई अन्य रिपोर्ट बताती हैं कि भारत समेत कई देशों में भी इसकी शुरुआत हो चुकी है ।

'सेल्फी' के बाद 'शेपीज'

भविष्य में आपके घर में टेबल पर मौजूद सजावटी सामग्रियों के बीच आपकी 'शेपीज' यानी आपकी शेप का पुतला हो सकता है। 'ब्लूमबर्ग टेक्नोलॉजी' के मुताबिक, लग्जम्बर्ग आधारित कंपनी 'आर्टेक' ने सितंबर, 2014 में पहली बार '3डी बॉडी स्कैनिंग बूथ' का डिजाइन तैयार कर ड्रेस समेत पूरे शरीर की इमेज स्कैनिंग करके 3डी प्रिंट के छोटे प्रतिरूप में मुहैया कराया था। कैलिफोर्निया के पालो आल्टो में आर्टेक के शोरूम में यह तकनीक प्रदर्शित की गई थी। ग्राहकों को यहां पांच इंच का पुतला दिया जाता है। फिगर बनाने वाले इस आइडिया को फिलहाल 'शेपीज' या '3डी सेल्फीज' नाम दिया गया है ।

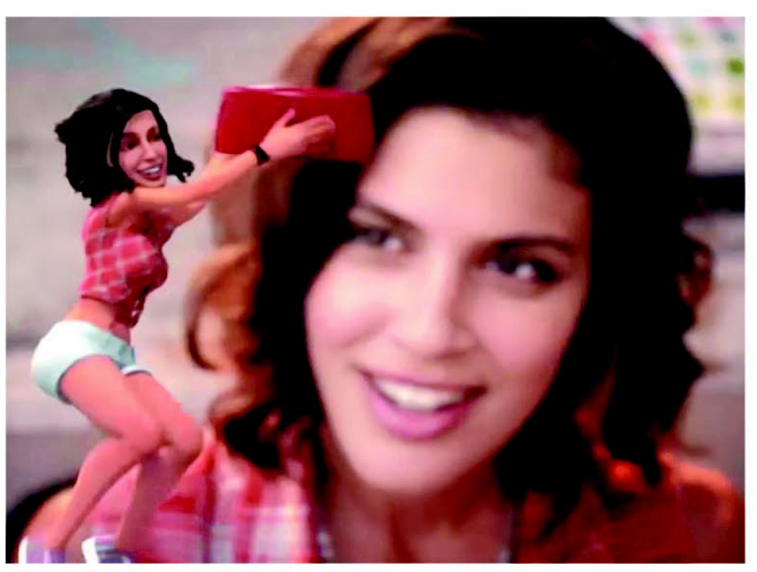

ऑनलाइन ऑर्डर

सेल्फी को स्मार्टफोन में ही देख सकते हैं। लेकिन, अब 3डी सेल्फी का जमाना आने वाला है। इस थ्रीडी सेल्फी को आप एक छोटे पुतले की भांति अपने साथ रख सकते हैं। 'माय3डीसेल्फी डॉट कॉम' इसके लिए बाकायदा ऑर्डर हासिल करता है।

पांच मिनट में 3डी मॉडल

आर्टेक शेपिफाई बूथ 3डी बॉडी स्कैनिंग और सेल्फी बनाने वाली ऑटोमेटेड मशीन है। महज 12 सेकेंड में ग्राहक की स्कैनिंग करके ऑटोमेटिक तरीके से पांच मिनट में 3डी मॉडल तैयार हो जाता है और कुछ दिनों में पूरी तरह तैयार करके इसे ग्राहक को भेज दिया जाता है। इस बूथ में प्रति घंटे 10 लोगों की स्कैनिंग की जा सकती है।

भारत में भी शुरुआत

हैदराबाद की एक फर्म '3डी स्फेयर' ने भी ऐसी एक शुरुआत की है। इसकी वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक, 3डी प्रिंटिंग के जरिए पुतले बनाने का काम यह चार चरणों में पूरा करता है। पहले चरण में यह पूरे शरीर की फोटोग्राफिक तकनीक के जरिए तस्वीर की 3डी स्कैनिंग की जाती है। स्कैनिंग से हासिल किए गए 3डी डाटा को संबंधित 3डी सॉफ्टवेयर में एडिट करता है। कलर 3डी प्रिंटर में इसे प्रिंट किया जाता है। तैयार हुए प्रोडक्ट यानी पुतले पर चिपके अतिरिक्त पाउडर को हटाया जाता है और उस पर ग्लू चिपकाया जाता है।

क्लोन मी का 3डी प्रोडक्ट

यह 3डी सेल्फी से क्लोन बनाने वाली एक कंपनी है, जो इनोवेटिव टेक्नोलॉजी और उत्तम कोटि की शिल्पकारी के जरिए 3डी फिगर तैयार करती है। यह कंपनी पांच चरणों में 3डी फिगर बनाती है। इच्छुक लोगों को सबसे पहले शोरूम आना होता है या फिर आप ऑनलाइन अपनी तस्वीर भेज सकते हैं। इसके प्रधान कार्यालय में स्कैनिंग को अंतिम रूप देते हुए उसकी गुणवत्ता बढ़ाई जाती है। 3डी फिगर तैयार होने के बाद शिल्पकारों द्वारा साज-सज्जा करते हुए इसे अंतिम स्वरूप प्रदान किया जाता है इसे रिफाइनमेंट कहते हैं।

स्कैबीज क्या है

इसके लक्षण और उपचार

स्कैबीज घुन से होने वाला खुजली वाला त्वचा का संक्रमण है। इसके अंडो और मल से होने वाले एलर्जिक प्रतिक्रिया के कारण रोगी को दाने या मुंहासे होते हैं। इसका उपचार आसानी से हो सकता है।

यह बीमारी एक-दूसरे के संपर्क में आने से होती है। इसके अलावा यदि आप इस बीमारी से संक्रमित किसी भी व्यक्ति के कपड़े, बिस्तर या फर्नीचर प्रयोग करते हैं तो यह आपको भी हो सकती है। भीड़भाड़ वाली जगहें, जैसे - जेल, नर्सिंग होम और बच्चों की देखभाल करने वाले स्थानों पर स्कैबीज संक्रमण के फैलने का खतरा अधिक होता है।

क्या होता है स्कैबीज

स्कैबीज त्वचा का वह संक्रमण है जो घुन के कारण होता है। जब घुन आपकी त्वचा की परत को भेदते हुए अंदर प्रवेश कर जाती है, तब यह समस्या होती है। स्कैबीज किसी को भी हो सकती है। यह किसी भी उम्र, आय और सामाजिक स्तर के लोगों को हो सकती है। यहां तक कि जो लोग स्वयं को बेहद स्वच्छ रखते हैं उन्हें भी स्कैबीज हो सकती है।

कैसे फैलती है

स्कैबीज घुन के काटने से तो फैलती ही है साथ ही यह बीमारी संक्रमित व्यक्ति के साथ शारीरिक नजदीकी से भी हो सकती है। यह एक संचारित रोग है, जो तौलिए, चादर और अन्य निजी वस्तुएं इस्तेमाल करने से हो सकती है। स्कैबीज एक साथ परिवार के कई सदस्यों को हो सकती है। इतना ही नहीं यदि किसी संक्रमित व्यक्ति को इसके लक्षण न भी नजर आ रहे हों, तब भी वह दूसरे व्यक्ति को इस रोग से संक्रमित कर सकता है।

लक्षण

स्कैबीज से गंभीर खुजली होती है, जो अक्सर रात के समय बढ़ जाती है। इसके साथ ही रेशेज के साथ छोटे फफोले और घाव हो जाते हैं। छोटे बच्चों और बुजुर्गों में खुजली की समस्या अधिक होती है। बच्चों की त्वचा अपेक्षाकृत अधिक संक्रमित होती है।

कैसे होता है निदान

डॉक्टर स्कैबीज के निदान की प्रक्रिया आपके लक्षणों के आधार पर करता है। स्कैबीज का सबसे कारण किसी संक्रमित व्यक्ति के साथ शारीरिक संपर्क होता है। इसके बाद डॉक्टर बड़े आराम से संक्रमित और रूखी त्वचा को खुरचकर सूक्ष्मदर्शी द्वारा उसकी जांच करता है। अधिकतर लोगों को इस जांच से कोई दर्द नहीं होता।

कैसे होता है इलाज

स्कैबीज अपने आप ठीक नहीं होती। आपको डॉक्टर की सुझायी खास क्रीम अथवा लोशन का इस्तेमाल करना होता है। कुछ गंभीर मामलों में आपको दवा का भी सेवन करना पड़ सकता है। स्कैबीज में दी जाने वाली कुछ दवायें बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान करवा रहीं माताओं के लिए सुरक्षित नहीं होतीं। इन दवाओं के खतरनाक प्रभावों से बचने के लिए अपने डॉक्टर की सुझाई दवाओं को सही प्रकार पालन करें और डॉक्टरी सलाह को अनदेखा न करें। अगर आपको स्कैबीज है, तो आपको और आपके समीप रहने वाले परिजनों का इलाज एक ही समय पर होना चाहिए। इससे संक्रमण फैलने का खतरा कम हो जाता है। इसके साथ ही आपको अपने कपड़े और तौलिए आदि भी सावधानीपूर्वक साफ करने चाहिए। घावों से होने वाले रक्तस्राव भी अच्छी तरह साफ करना चाहिए। इलाज के बाद सामान्य दो से चार सप्ताह तक खुजली रहती है। घुन के द्वारा हुई एलर्जी को दूर करने में आपके शरीर को इतना समय तो लगता ही है।

बैटरी बर्बाद कर रहे ये एप्स...

एक स्मार्टफोन कितना भी स्मार्ट हो, एप्स के बगैर अधूरा ही रहता है। स्मार्टफोन को खरीद कर हम सबसे पहला काम एप्स डाउनलोड करने का ही करते हैं। इनमें कई तरह के एप्स शामिल होते हैं, कुछ एंटरटेनमेंट के, तो कुछ जरूरी काम के। साथ ही कुछ ऐसे भी होते हैं, जो कभी-कभार काम आते हैं, लेकिन, क्या आप जानते हैं कि इन एप्स का आपके फोन पर क्या असर पड़ता है?

गेमिंग एप

कई गेमिंग ऐप्स भी हैं, जो आपके फोन की बैटरी लाइफ को खतरे में डालते हैं। जैसे कि हाल ही में खासा लोकप्रिय रहा पोकेमोन गो जैसे गेम भी काफी हद तक फोन की बैटरी लाइफ को कम करते हैं।

फेसबुक एप: यह एप लगभग हर स्मार्टफोन यूजर के फोन में होता है। हम में से कई इस पर पूरा टाइम एक्टिव भी रहते होंगे। लेकिन, आपको जान कर हैरानी होगी कि फेसबुक एप सबसे ज्यादा बैटरी इस्तेमाल करनेवाले ऐ०प्स में से एक है।

स्नैपचैट: सोशल मीडिया एप्स सबसे ज्यादा पसंद किए जाते हैं। इन दिनों स्नैपचैट का बुखार सभी को है, चाहे वह कोई सेलेब्रिटी हो या आम यूजर। यह एप्प भी मोबाइल स्टोरेज के साथ ही बैटरी भी अधिक खर्च करता है।

नेटफ्लिक्स: इसमें कोई शक नहीं कि नेटफ्लिक्स भी उन एप्स में से एक है, जो अधिक बैटरी कंज्यूम करता है। इस एप से फोन की बैटरी बहुत ही जल्दी खत्म हो जाती है।

स्मार्टफोन में मौजूद कई एप्स वाकई जरूरी होते हैं, और वह आपके फोन के लिए भी सुरक्षित होते हैं लेकिन, ऐसे भी कई एप्स होते हैं, जो आपके फोन की बैटरी लाइफ को बरबाद कर देते हैं। ये एप्स हर समय आपके स्मार्टफोन में रन करते हैं, चाहे आप फोन इस्तेमाल कर रहे हों या नहीं। यही कारण है कि कई स्मार्टफोन यूजर्स को बैटरी लाइफ से शिकायत होती है। फोन को कितना भी चार्ज किया जाए, उसकी बैटरी बहुत जल्दी खत्म होने लगती है। आज हम आपको ऐसे ही कुछ एप्स के नाम बताने वाले हैं, जिन्हें आप न ही डाउनलोड करें, तो अच्छा होगा। इनमें से कई एप्स बेहद फेमस भी हैं।

एवीजी एंटी वायरस एप्प

एंटी वायरस एप आपके फोन की सुरक्षा के लिए काम आते हैं, लेकिन आपको बता दें कि ये फोन की बैटरी की सुरक्षा नहीं करते हैं, बल्कि काफी बैटरी खर्च करते हैं।

AVG

सफल फेंगशुई का आधार...

फेंगसुई ऊर्जा को संतुलित करने की पद्धति का नाम है। इनके संतुलन से ही फेंगशुई प्रभावकारी होता है। इस विधा में जल, लकड़ी, अग्नि, पृथ्वी और धातु की दिशा के अनुरूप व्यवस्था ही सफल फेंगशुई का निर्माण करती है। यही कारण है कि घर का निर्माण ऐसा होना चाहिए कि सूरज की रोशनी घर में अवश्य आए। चीनी वास्तु फेंगशुई का इतिहास करीब तीन हजार वर्ष पुराना है। फेंगशुई का शाब्दिक अर्थ है हवा और पानी। यह विधा पांच तत्वों पर आधारित है- जल, लकड़ी, अग्नि, पृथ्वी और धातु। इस विधा में नाकारात्मक ऊर्जा यिन व साकारात्मक ऊर्जा यांग के नाम से जानी जाती है। ये परस्पर विरोधी ऊर्जाएं हैं, जो एक दूसरे के विरुद्ध कार्य करती हैं। इसके अतिरिक्त ब्राह्मांड की ऊर्जा जिसे ची के नाम से जाना जाता है। फेंगशुई, ब्राह्मंड की ऊर्जा तथा यिन व यांग। घर की ऊर्जा व दिशाओं के अनुरूप तत्वों को व्यवस्थित करना और घर में रसोई, मुख्य शयन कक्ष, बच्चों का शयनकक्ष, धन व बहुमूल्य वस्तुओं को रखने का कक्ष या अलमारी, पढ़ाई का कक्ष आदि की तत्वों व दिशाओं के अनुरूप व्यवस्था ही सफल फेंगशुई का आधार है। जो घड़ियां बंद हों, उन्हें या तो घर से हटा देना चाहिए या फिर चालू कर देना चाहिए। घर में झाड़ू का उपयोग करने के बाद उसे इस तरह रखना चाहिए कि किसी की इस पर नजर न जाए। फेंगशुई के अनुसार इसका संबंध घर के धन और संपत्ति से होता है। पूरे घर में कालीन बिछा देने से पॉजिटिव शक्तियां घर के अंदर नहीं रह पाती। शीशे को घर के मुख्य द्वार पर नहीं लगाना चाहिए। बाथरूम के दरवाजे के ठीक सामने भी कोई शीशा नहीं होना चाहिए। घर में बच्चों को डर लगे तो पीले रंग का बल्ब लगाना चाहिए। घर का मुख्य द्वार अन्य दरवाजों की तुलना में बड़ा होना चाहिए। मुख्य गेट दो पल्लों का होना चाहिए। मुख्य द्वार के दोनों ओर खिड़कियां नहीं होने चाहिए, इससे घर के मालिक को आर्थिक परेशानी हो सकती है। घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव दूर करने के लिए चीनी बेम्बू का प्रयोग करें। भाग्य को चमकाने के लिए मकान या व्यापार स्थल के मुख्य द्वार पर पवन घंटियां तथा चीनी सिक्के लगाएं। कछुए को घर में रखना प्रगति व स्वास्थ्य की दृष्टि से शुभ होता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**